खास बात

कला भ्रष्ट भी हो जाय, योगी पतित भी हो जाय, तो भी उसमें बड़प्पन का कुछ अंश तो रहता ही है।
- वृन्दावन लाल

।। श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 12 अंक - 169

रायसेन
सोमवार, 16 दिसंबर 2024

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

संगीत के 536 कलाकारों ने दी वाद्य यंत्रों से प्रस्तुति, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज

ग्वालियर ■ ब्यूरो

संगीत के क्षेत्र में ग्वालियर ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। तानसेन समारोह में एक साथ 536 कलाकारों ने ग्वालियर किले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में प्रस्तुति देकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। अस्त होते सूरज के बीच ठंडी बयार में सुरों का जादू हर दिशा में बिखर गया।

इस अभूतपूर्व आयोजन में रोनू मजूमदार मुख्य गायक के रूप में मंच पर थे। उनके साथ 72 तबला वादक, 80 वायलिन वादक, 11 सारंगी वादक, 13 सितार वादक और अन्य वाद्य यंत्रों के कलाकार शामिल थे। 100 से अधिक कोरस गायकों ने भी अपनी आवाज के जरिए इस संगीतमय क्षण को अमर बना दिया। सभी कलाकारों ने विभिन्न रागों की सामूहिक प्रस्तुति दी, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस आयोजन को रिकॉर्ड बनाने के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की टीम ने परखा। कलाकारों के इस प्रयास को मान्यता देते हुए टीम ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को प्रमाण पत्र सौंपा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और अन्य गणमान्य अतिथि भी इस ऐतिहासिक पल के गवाह बने।

पिछले रिकॉर्ड को तोड़ा

तानसेन समारोह में यह दूसरा मौका है जब ग्वालियर ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है। इससे पहले, डेढ़ हजार तबला वादकों ने एक साथ प्रस्तुति देकर इस मंच पर नया रिकॉर्ड स्थापित किया था। समारोह की शुरुआत परंपरागत रूप से सुबह 10 बजे हुई। इसमें मजीद खां और उनके साथियों ने शहनाई वादन प्रस्तुत किया। इसके अलावा, ढोली बुआ महाराज और सच्चिदानंदनाथ ने हरिकथा की प्रस्तुति दी और मीलाद का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ।

संक्षिप्त समाचार

जय विलास महल में उपराष्ट्रपति का दौरा, सीएम डॉ. यादव और सिंधिया भी रहे साथ

ग्वालियर। ग्वालियर के ऐतिहासिक जय विलास महल में रविवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी धर्मपत्नी ने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनकी धर्मपत्नी प्रियदर्शनी राजे सिंधिया के साथ दौरा किया। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने महल के इतिहास, कला और सांस्कृतिक धरोहर को गहराई से समझा। दौरे के बाद, उन्होंने महल की विजिटर बुक में भारतीय सभ्यता की समृद्धि को लेकर एक संदेश लिखा।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी, चार लोगों की मौत, सीएम ने जताया दुख

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले में ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होकर पलटने से आदिवासी समुदाय के चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 30 से अधिक लोग से शतावरी के जंगल में वन औषधि की जड़ खोदने गए थे। ग्वालियर में शनिवार रात करीब ग्यारह बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार लोगों की मौत हो गई। घटना घाटीगांव में आंतरी-तिलावली तिराहा की है। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सहरिया आदिवासी समाज के लोग थे।मृतकों में एक नाबालिग भी शामिल है। हादसे में 15 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि तत्काल प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, उन्होंने जिला प्रशासन को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई जाए।

विश्व विख्यात तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन

भोपाल। विश्व विख्यात तबला वादक और पद्म विभूषण

उस्ताद जाकिर हुसैन का निधन हो गया है। सैन फ्रांसिस्को में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने आखिरी सांस ली। अस्पताल से जुड़े सूत्रों ने उस्ताद के निधन की पुष्टि की है, लेकिन उनके परिवार का बयान अभी नहीं आया है। उनका जन्म 9 मार्च 1951 को मुंबई में हुआ था। उस्ताद जाकिर हुसैन को 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से नवाजा गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदिवासी चित्रकार पद्श्री जोधइया बाई के निधन पर किया दुःख व्यक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उमरिया जिले की

आदिवासी चित्रकार पद्म श्री जोधइया बाई के निधन पर दु:ख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उमरिया जिले की शान 86 वर्षीय जोधइया बाई ने देश-विदेश में बैगा चित्रकला को पहुँचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और जोधइया बाई ने पद्मश्री तथा राष्ट्रीय नारी सम्मान प्राप्त कर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पद्मश्री जोधइया बाई के निधन से चित्रकला विशेष रूप से आदिवासी चित्रकला जगत को अपूरणीय क्षति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से दिवंगत आत्मा को शांति और शोक संतप्त परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और सीएम डॉ. यादव ने किया उद्घाटन

भारत का पहला जियो साइंस म्यूजियम ग्वालियर में, हर वर्ग के लिए ज्ञानवर्धक

ग्वालियर ■ ब्यूरो

ग्वालियर के महाराज बाड़ा स्थित ऐतिहासिक विक्टोरिया मार्केट बिल्डिंग में स्थापित भारत के पहले जियो साइंस म्यूजियम का उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। यह म्यूजियम भूविज्ञान, पृथ्वी की उत्पत्ति और मानव सभ्यता के विकास से जुड़ी अनूठी जानकारी का केंद्र है।

अत्याधुनिक तकनीक से सजा संग्रहालय

इस संग्रहालय को दो आकर्षक गैलरी एवोल्यूशन ऑफ अर्थ और एवोल्यूशन ऑफ लाइफ में विभाजित किया गया है। यहां पृथ्वी की उत्पत्ति, डायनासोर का युग, पृथ्वी के केंद्रीय कोर और भूगर्भीय घटनाओं को अत्याधुनिक तकनीकों और लाइट इफेक्ट्स के साथ दिखाया गया है। म्यूजियम में ज्वालामुखी, भूकंप और महासागरों से संबंधित जानकारी बेहद प्रभावी ढंग से प्रस्तुत की गई है।

पहली गैलरी में पृथ्वी के विकास का बारीकी से वर्णन किया गया है। यहां यह समझाया गया है कि पृथ्वी कैसे बनी और उसके भीतर लावा, पर्वत निर्माण और ज्वालामुखी जैसे प्राकृतिक घटनाएं कैसे घटती हैं। दूसरी गैलरी में मानव सभ्यता के विकास को चित्रित किया गया है। इसमें डायनासोर की उत्पत्ति और विलुप्ति के साथ-साथ मानव जीवनक्रम का विवरण भी शामिल है। संग्रहालय में भूविज्ञान से संबंधित दुर्लभ नमूनों को मल्टीमीडिया डिस्प्ले के माध्यम से दिखाया गया है। यह बच्चों से लेकर बड़ों तक, हर आयु वर्ग के लिए ज्ञानवर्धक है। डायनासोर का अंडा, बेशकीमती रत्न और ज्वालामुखी से जुड़े नमूनों ने म्यूजियम को और भी खास बना दिया है। उद्घाटन समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद थे। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह म्यूजियम हमारी वैज्ञानिक सोच को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

भूकंप और ज्वालामुखी का मिलेगा अनुभव

पर्यटक यहां भूकंप का अनुभव भी कर सकते हैं। इसके अलावा वायुमंडल और महासागरों के रहस्यों को बड़े ही रोचक तरीके से प्रदर्शित किया गया है। यह म्यूजियम न केवल भूविज्ञान के छात्रों के लिए बल्कि आम जनता के लिए भी बेहद आकर्षक है।

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना: मप्र के 11 जिलों को मिलेगा लाभ 40 लाख किसान होंगे लाभान्वित

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो अभियान के स्वप्न को साकार करने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच समझौता कराते हुए पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को मूर्त रूप दिया। इसकी शुरूआत मध्यप्रदेश की पावन भूमि से होने जा रही है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में विशेष प्रयास कर मालवा और चंबल क्षेत्र के 11 जिलों के 2012 ग्रामों की तस्वीर और तकदीर बदलने में महती भूमिका निभाई है। यह परियोजना मध्यप्रदेश के गुना, शिवपुरी, सीहोर, देवास, राजगढ़, उज्जैन, आगर-मालवा, इंदौर, शाजापुर, मंदसौर एवं मुरैना के किसानों को सिंचाई के लिये भरपूर पानी और पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगी।

मध्यप्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से

1766 प्रश्न, 8 विधेयक और कई प्रस्तावों पर होगी चर्चा

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। इस पांच दिवसीय सत्र की तैयारियों का विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने शनिवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सत्र के संचालन के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधानसभा के प्रमुख सचिव एपी सिंह के अनुसार, 16 दिसंबर से 20 दिसंबर तक चलने वाले इस शीतकालीन सत्र में कुल पांच बैठकें आयोजित की जाएंगी। अब तक विधानसभा सचिवालय को 888 तारांकित प्रश्न और 878 अतारांकित प्रश्न, कुल मिलाकर 1766 प्रश्न प्राप्त हो चुके हैं। इसके अलावा, ध्यानाकर्षण की 178, स्थगन प्रस्ताव की 01, अशासकीय संकल्प की 14 और शून्यकाल की 47 सूचनाएं भी प्राप्त हुई हैं। इस सत्र में 08 विधेयकों पर चर्चा भी की जाएगी। मध्य प्रदेश की सोलहवीं विधानसभा का यह चतुर्थ सत्र में महत्वपूर्ण मुद्दों पर आर्थिक, सामाजिक और कानून से जुड़े विषयों पर चर्चा होने की संभावना है।

कांग्रेस का विस घेराव आज, सरकार भी 'चक्र व्यूह' तोड़ने तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार प्रदेश में भले जीरो टॉलरेंश की बात करती है लेकिन जब विपक्ष सवाल खड़े करती है तो अलग-अलग मंत्री एक साथ सदन में खड़े होकर पूर्व की कमलनाथ और दिग्विजय सरकार का जिक्र कर कांग्रेस को शांत करने और खुद की गलतियों पर पर्दा डालने में कामयाब हो जाती है। यही कारण है कि इस बार चार दिवसीय सदन शुरु होने से पहले ही कांग्रेस ने सरकार को सड़क में ही घेरने की रणनीति तैयार की है। सदन के बाहर अध्यक्ष जीतू पटवारी एंड टीम सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेगी तो वहीं सदन के अंदर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की टीम सरकार को चारों खाने चित करने के लिए पूरा प्रयास करेगी। हांलाकि यह पहला मौका नहीं है जब कांग्रेस ने सदन के बाहर और अंदर दोनों तरफ सरकार के घेराबंदी की कोशिश की है इससे पहले भी कांग्रेस के नेता इस प्रकार के प्रदर्शन करते रहे हैं। पहले दिन और दूसरे दिन तो कांग्रेस नेताओं में जोश दिखता है लेकिन तीसरे दिन कांग्रेस के नेता मुद्दा बिहीन होकर खुद ही अपने पैर पीछे खींच लेते हैं। और विधानसभा पूरी तरह से नीरस हो जाती है जिसके कारण विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल तक के लिए स्थगित करनी पड़ती। कांग्रेस के सभी प्रकार के आरोपों का करारा जवाब देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को सीएम हाउस में भाजपा विधायक दल की बैठक भी बुलाई गई है। इसके पहले ही सरकार की तरफ से सभी मंत्रियों को साफ कहा गया है कि वो अपने-अपने विभागों का पूरी तरह होमवर्क करके आएं और विपक्ष को करारा जवाब देने के लिए तैयार रहें।

मुस्लिम इलाके में बंद मंदिर में दशकों बाद मंत्रों की गूंज, पूजा-अर्चना शुरु

संभल ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के संभल जिले के खग्गू सराय इलाके में 46 साल से बंद पड़े भगवान शिव और हनुमान के प्राचीन मंदिर के कपाट शनिवार को प्रशासन की देखरेख में खोले गए। रविवार सुबह से ही यहां पूजा-अर्चना और आरती शुरू हो गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। महिलाओं ने भजन-कीर्तन किया, जिससे पूरे इलाके में उत्साह का माहौल है।

1978 में बंद हो गया था मंदिर

नगर हिंदू सभा के संरक्षक विष्णु शरण रस्तोगी ने बताया कि यह मंदिर 400 साल पुराना है। उनका परिवार ही 46 साल पहले तक यहां पूजा करता था। 1978 में दंगों के बाद खग्गू सराय से पलायन करने की वजह से यह मंदिर बंद हो गया। उन्होंने कहा कि हमारा परिवार 1978 तक यहीं रहता था, लेकिन दंगों के कारण हमें इलाका छोड़ना पड़ा। इसके बाद मंदिर में कोई पुजारी नहीं रहा और यह उपेक्षित हो गया। अब प्रशासन और पुलिस के सहयोग से मंदिर फिर से खुल गया है

जगदलपुर में बोले शाह-हिंसा करेंगे तो हमारे जवान निपटेंगे

रायपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर दौरे पर हैं। बस्तर ओलिंपिक के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि, नक्सलवाद खत्म होने पर यहां कश्मीर से ज्यादा पर्यटक आएंगे। 31 मार्च 2026 के बाद लोग कहेंगे बस्तर बदल गया है। गलत रास्ते पर गए लोग सरेंडर करें, हिंसा करेंगे तो हमारे जवान आपसे निपटेंगे। इससे पहले रायपुर में राष्ट्रपति पुलिस कलर अवॉर्ड कार्यक्रम में भी कहा कि हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को 31 मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करेंगे। जैसे ही छत्तीसगढ़ नक्सल मुक्त होता है, देशभर में नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर के पुलिस परेड ग्राउंड में राष्ट्रपति पुलिस कलर अवॉर्ड- 2024 कार्यक्रम में शामिल हुए।

फडणवीस सरकार का पहला कैबिनेट विस्तार, 39 मंत्रियों ने ली पद की शपथ

मुंबई ■ एजेंसी

महाराष्ट्र में महायुति की सरकार का नागपुर में मंत्रिमंडल विस्तार किया जा रहा है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन नए मंत्रियों को शपथ दिला रहे हैं। बता दें कि इससे पहले 1991 में भी नागपुर में मंत्रिमंडल का विस्तार किया गया था। जानकारी के मुताबिक, शपथ ग्रहण के बाद देर शाम मंत्रियों के विभागों का भी बंटवारा हो जाएगा।

भाजपा के 19 विधायक बने मंत्री, तीन महिलाएं शामिल - सबसे पहले भाजपा से विधायक और राज्य भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंत्री पद की शपथ ली है। उनके बाद शिरडी विधानसभा से भाजपा विधायक राधाकृष्ण विखे पाटिल ने मंत्री पद की शपथ ली है। शपथ लेने के क्रम में कोथरुड विधानसभा से भाजपा विधायक चंद्रकांत पाटिल ने चौथे नंबर पर मंत्री पद की शपथ ग्रहण की है। पांचवें नंबर पर भाजपा के विधायक गिरीश महाजन ने मंत्री पद की शपथ ली है। गिरीश महाजन जामनेर विधानसभा सीट से विधायक निर्वाचित हुए हैं। सातवें नंबर पर भाजपा विधायक गणेश नाइक ने मंत्री पद की शपथ ली है। 11वें नंबर पर भाजपा विधायक मंगल प्रभात लोढ़ा ने मंत्री पद की शपथ ली है। 13वें नंबर पर भाजपा विधायक जयकुमार रावल ने मंत्री पद की शपथ ली है। जयकुमार रावल शिंदखेड़ा विधानसभा सीट से विधायक हैं। 14वें नंबर पर भाजपा की पंकजा मुंडे ने मंत्री पद की शपथ ली है। 15वें नंबर पर भाजपा के अतुल सावे ने मंत्री पद की शपथ ली है। अतुल सावे औरंगाबाद पूर्व विधानसभा सीट से विधायक हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर का बड़ा दावा

'मेरा पूरा राजनीतिक जीवन गांधी परिवार ने बर्बाद किया'

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि उनके जीवन की विडंबना यह है कि उनका राजनीतिक करियर 'गांधी परिवार ने बनाया और बिगाड़ा'। मणिशंकर अय्यर ने आगे यह भी कहा कि 10 साल तक उन्हें सोनिया गांधी से आमने-सामने मिलने या राहुल गांधी के साथ कोई भी बातचीत का मौका नहीं मिला, सिवाय एक बार के।

जगरनॉट प्रकाशक की तरफ से प्रकाशित अपनी आगामी पुस्तक ए मेवरिक इन पॉलिटिक्स पर बातचीत करते हुए मणिशंकर अय्यर ने कहा कि उनके पास सब कुछ था लेकिन, आखिरकार, वह पार्टी में पूरी तरह से अलग-थलग हो गए थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अभी भी पार्टी के सदस्य हैं और उन्होंने जोर देकर कहा, मैं कभी नहीं बदलूंगा, और निश्चित रूप से भाजपा में नहीं जाऊंगा।

मेरे पास राजनीति में संरक्षण के अलावा कुछ नहीं था

वहीं गांधी परिवार से संरक्षण के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता ने कहा, यदि आप एक व्यक्ति के रूप में राजनीति में सफल होना चाहते हैं, तो आपके पास एक बहुत मजबूत आधार होना चाहिए। या तो आपके पास एक निर्वाचन क्षेत्र हो जहां आप पराजित न हुए हों या आप अपराजित न हों, या आपके पास एक जातिगत आधार हो या आपके पास एक धार्मिक आधार हो। मेरे पास इनमें से कुछ भी नहीं था।

आज मैं पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया हूं

अय्यर ने कहा, इसलिए यह बहुत धीमी गिरावट थी। लेकिन यह गिरावट करीब 15 साल की अवधि में हुई... और फिर, जब राहुल गांधी आए, तो मुझे लगा कि यह ऊपर जाएगा। क्योंकि उन्होंने मुझसे कहा कि जहां वे मुझसे 75 प्रतिशत सहमत थे, वहीं उन्होंने कहा अब मैं आपसे 100 प्रतिशत सहमत हूं। और फिर उन्होंने अपनी मां से मुझे कांग्रेस में एकमात्र पद से हटाने के लिए कहकर यह साबित कर दिया कि वे मुझसे 100 प्रतिशत सहमत हैं।

अब कांग्रेस के बुरे दिन आ गए

वरिष्ठ नेता ने कहा कि 10 साल तक उन्हें सोनिया गांधी से आमने-सामने की मुलाकात या राहुल गांधी के साथ कोई सार्थक बातचीत करने का मौका नहीं मिला। उन्होंने कहा, मैंने प्रियंका के साथ दो मौकों को छोड़कर कभी बात नहीं की। और वह मुझसे फोन पर बात करती हैं, इसलिए मैं उनके संपर्क में हूं। इसलिए मेरे जीवन की विडंबना यह है कि मेरा राजनीतिक करियर गांधी परिवार की तरफ से बनाया गया और गांधी परिवार की तरफ से ही बर्बाद किया गया।

सीएम उमर अब्दुल्ला की दो टूक : कांग्रेस ईवीएम का रोना बंद करे और चुनाव नतीजों को स्वीकार करे

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर कांग्रेस पार्टी की तीखी आपत्ति को खारिज कर दिया है। भाजपा के बचाव में उन्होंने दोहराते हुए कहा कि जब आप जीतते हैं तो आप चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकते हैं और जब आप हार जाते हैं तो ईवीएम को दोष देते हैं। अब्दुल्ला ने एक विशेष साक्षात्कार में पीटीआई से कहा, जब आपके पास संसद के सौ से अधिक सदस्य एक ही ईवीएम का उपयोग करते हैं और आप इसे अपनी पार्टी की जीत के रूप में मनाते हैं तो आप कुछ महीनों बाद यह नहीं कह सकते कि... हमें ईवीएम पसंद नहीं है, क्योंकि अब चुनाव नतीजे उस तरह नहीं जा रहे हैं जैसा हम चाहते हैं। जब अब्दुल्ला से कहा गया कि वह संदेहास्पद रूप से भाजपा प्रवक्ता की तरह लग रहे हैं तो उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, भगवान न करे!

हैंडपंप खनन से ग्रामीणों की पानी की समस्या का हुआ निराकरण

अब झीलपुरा टोले के ग्रामीणों को मिल रहा है शुद्ध पेयजल

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जनपद पंचायत केसला की ग्राम पंचायत चादकिया के झीलपुरा टोले के ग्रामीणों को अब पानी की समस्याओं से नहीं जूझना पड़ेगा। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देश पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने झीलपुरा टोले में एक नवीन हैंडपंप का खनन कराया है, जिससे अब ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की प्राप्ति हो रही है।

उल्लेखनीय है की झीलपुरा टोले के ग्रामीणों ने गत मंगलवार को पानी की समस्या से परेशान होकर कलेक्टर सोनिया मीना की जनसुनवाई में पहुंचकर जनसुनवाई में आवेदन दिया था कि ग्रामीण पानी ना होने के चलते दूर-दूर से पानी लाने की समस्या से परेशान है। झीलपुरा में कोई हैंडपंप या पानी का कोई अन-?य स-?त्रोत ना होने के कारण साथ ही पानी ना होने से ग्राम वासियों के कई कार्य नहीं हो पा रहे हैं। लोग परेशान हैं। उपरोक्त आवेदन को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को झीलपुरा में हैंडपंप खनन कर झीलपुरा के निवासियों के लिए पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। हैंडपंप खनन की स्वीकृति प्राप्त होते ही लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग ने झीलपुरा में एक नया हैंडपंप खनन करवाया, जिससे अब ग्राम वासियों की पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो गया है।

कैसे शुरू हुई मुख्यमंत्री कन्यादान योजना-राजेन्द्र सिंह

मुख्यमंत्री कन्यादान सामूहिक विवाह में बारह जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

माखननगर ■ निसं

सन् 1990 मैं शिवराज सिंह चौहान विधायक बने और पदयात्रा कर रहे थे तभी बोरना गांव में एक बुजुर्ग महिला ने रोक लिया और शिवराज सिंह से कहा कि कल मेरे घर बारात आ रही है और मेरे पास कुछ नहीं है। तब शिवराज सिंह ने अपने सहयोगियों को शादी की जिम्मेदारी सौंपी और बेटी का विवाह कराया साथ ही संकल्प लिया कि अगर मां नर्मदा ने मुझे मौका दिया तो बेटियों के विवाह के लिए जरूर कुछ करूंगा यह बात माखननगर जनपद पंचायत में

आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के सामूहिक विवाह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए बुदनी के पूर्व विधायक ठाकुर राजेन्द्र सिंह ने कही आगे उन्होंने कहा कि जैसे ही शिवराज सिंह मुख्यमंत्री बने उन्होंने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना शुरू कर अपना संकल्प पूरा किया।

शनिवार को जनपद पंचायत कार्यालय प्रांगण में आयोजित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना सामूहिक विवाह सम्मेलन में 12 जोड़ो ने सात फेरों के साथ वरमाला पहनाकर एक दूसरे को वरण किया और जीवन भर साथ निभाने का बचन दिया। इस विवाह के पश्चात मुख्यअतिथि ठाकुर राजेन्द्र सिंह ने शासन योजना के मुताबिक सभी 12 बधुओं को 49 - 49 हजार के चेक दिये गए। वहीं जनपद पंचायत परिवार, सचिव संघ, सहायक सचिव संघ, पंजाब नेशनल बैंक, स्वास्थ्य विभाग, मनुष्य मिलन साधना परिवार, सर्व ब्राह्मण महिला मंडल, महिला बाल विकास विभाग, नगर परिषद अध्यक्ष रीना आकाश तिवारी,सचिव पवन श्रोती सहित अन्य ने परिणय बेला में बंधने वाले सभी 12 जोड़ो को विभिन्न उपहार भेंट किये।

इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष साबित्री बाई परनामे, नगर परिषद अध्यक्ष रीना आकाश तिवारी, जिला सदस्य उमेश यादव, हाकमसिंह गुर्जर, जनपद उपाध्यक्ष लालचंद यादव, सीईओ सतीशचन्द्र आदि उपस्थित थे।

शासकीय एसएनजी स्कूल के छात्रों ने देखी विकास कार्यों की प्रदर्शनी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शासकीय एसएनजी स्कूल के छात्रों ने राज्य सरकार के एक वर्ष पूर्ण होने पर चलाए जा रहे मुख्यमंत्री जन कल्याण पर्व अंतर्गत जनपद पंचायत नर्मदापुरम में लगी हुई विकास कार्यों पर आधारित प्रदर्शनी में भाग लिया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से छात्रों को राज्य शासन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रदर्शनी में विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों को आकर्षक चित्रों और जानकारीपूर्ण पैनलों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। छात्रों ने प्रदर्शनी का उत्साह के साथ अवलोकन किया और विभिन्न योजनाओं के बारे में कई सवाल पूछे, जिन्हें संबंधित अधिकारियों ने विस्तार से जवाब दिया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से छात्रों को सरकारी योजनाओं की महत्त्वता एवं उनके प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी प्रप्त हुई।

जिले के सिवनी बानापुरा की बाँसपानी बीट में मिला था टाइगर का शव

टाइगर की मौत का रहस्य बरकरार, बिसरा रिपोर्ट का हो रहा इंतजार

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

जिले के सिवनी बानापुरा स्थित फॉरेस्ट रेंज की बाँसपानी बीट में मिले एक टाइगर का शव की मौत के कारण पर रहस्य अभी बरकरार है। घटना के बाद से अफसरों की नींद उड़ी हुई है। बाघ का शव तीन से चार दिन पुराना था। टाइगर की मौत को लेकर वन विभाग की तरफ से उसके अंतिम संस्कार के बाद मौत की पुष्टि करने की हिम्मत दिखाई गई। इस मामले में एक बात सामने आई है कि बाघ के शव पर से तीन नाखून और चार दांत गायब हैं। इससे बाघ के शिकार की संभावना भी बढ़ गई। इधर विभाग का भी तर्क है कि बाघ की मौत मौजूदा जगह पर नहीं हुई, बल्कि कहीं और हुई थी और शव यहां लाकर छोड़ा गया है। आशंका जताई जा रही है कि बाघ का शिकार ही हुआ है। अब शिकार के दौरान बाघ की जान किस चीज से ली गई है। इसका खुलासा तो जांच के बाद ही हो सकेगा। विभाग की टीमें गोपनीय तरीके से बाघ के साथ हुए घटनाक्रम के तार जोड़ने में जुटी हुई है। जबलपुर से विसरा जांच रिपोर्ट मिलने के बाद टाइगर की मौत की वजह पता चल सकेगी।

यह था गम्भीर घटनाक्रम- सिवनी बानापुरा वन मंडल में बाँसपानी का जंगल काफी घना है। यहां टाइगर का मूवमेंट बना रहता है। बाँसपानी के जंगल में बुधवार को एक टाइगर का शव मिला था। टाइगर की मौत करीब तीन से चार दिन पहले होने से शव डीकमपोज यानी सड़ने लगा था। टाइगर के शव मिलने की सूचना के बाद से वन विभाग में हड़कंप मच गया था। टाइगर की मौत से जुड़े सारे एंगल खत्म हो गए है। केवल एक ही एंगल सामने आ रहा है कि उसका शिकार पहले हुआ है और शव को बीट में लाकर छिपाया गया है। बाघ के शव का वन विभाग और एसटीआर अफसरों की मौजूदगी में बाघ के शव का अंतिम संस्कार बमुश्किल किया गया था। शव के सड़ने से उठ रही दुर्गंध के कारण अंतिम संस्कार करना मुश्किल हो रहा था। अंतिम संस्कार के दौरान भी वन विभाग के अफसरों के दिमाग में टाइगर की मौत के कारणों का पता लगाने को लेकर उधेड़बुन चल रही थी।वन विभाग ने डॉग स्क्वाड भी बुलाया था जो कुछ दूर एक झोपड़ी तक गया था मगर वहां से कुछ पता नहीं चल सका था। स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की टीम भी यहां निरीक्षण कर रही है ताकि कोई सुराग जुटाया जा सके। टीम ने मौके पर खोजी कुत्ते को छोड़ा था जो कुछ दूर गांव में स्थित कुछ मकानों तक पहुंचा था। टीम ने यहां भी तलाशी ली मगर कुछ हासिल नहीं हुआ था। टीम संदिग्धों से भी पूछताछ कर रही है।

इनका कहना है...

बाघ का शव जिस जगह मिला है, उससे लग रहा है कि उसके शव को यहां लाया गया है।
इसलिए शिकार की संभावना से इनकार नहीं कर सकते है। हमारी टीमों द्वारा हर एक एंगल से जांच की जा रही है।
-अशोक कुमार, सीसीएफ नर्मदापुरम।

गोपाल सिंह ने एथलीट में रजत और कांस्य पदक प्राप्त किया

नर्मदापुरम। इन्दौर में आयोजित मास्टर एसोसिएशन एथलीट प्रतियोगिता 15 दिसम्बर को आयोजित हुई, जिसमें नर्मदापुरम के सेना से सेवानिवृत्त सब इन्सपेक्टर गोपाल सिंह 55 प्लस में भाग लेकर 100 मीटर में रजत पदक व 200 मीटर में कांस्य पदक प्राप्त कर नर्मदांचल का नाम रोशन किया।

कमिश्नर 18 दिसंबर को लेंगे विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर केजी तिवारी बुधवार 18 दिसंबर को विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे। कमिश्नर तिवारी प्रातः 10:30 बजे से पेंशन विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, आबकारी विभाग, परिवहन विभाग, खनिज विभाग, पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग, विधिक माप विज्ञान विभाग (नापतोल) वाणिज्य कर विभाग की योजनाओं की समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर अद्यतन जानकारी सहित उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अधिकारी-कर्मचारी की पदोन्नति न होने से आक्रोश, सपाक्स की बैठक

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

शासकीय अधिकारी-कर्मचारी सपाक्स स्पीक संस्था जिला नर्मदापुरम की बैठक जिलाध्यक्ष केएन त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के पीछे हनुमान मन्दिर के प्रागण में हुई। बैठक में कर्मचारियों अधिकारियों को पदोन्नति न दिये जाने तथा तृतीय श्रेणी व चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को उच्च पद का प्रभार न सौपें जाने के संबंध में शासन के प्रति कर्मचारियों में आक्रोश होने की बात कही। त्रिपाठी ने कहा हम शासन का ध्यान चरणबद्ध आन्दोलन कर आकर्षित करंगे। जिसके लिए पहले तहसील एवं ब्लॉक स्तर पर शीघ्र बैठक आयोजित की जायेगी। एचके वर्मा महामंत्री स्पीक संस्था ने तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को उच्च पद का प्रभार व लिपिक कर्मचारियों को सचिवालय के कर्मचारियों के समान समय मान वेतनमान का लाभ दिये जाने हेतु शासन व जन प्रतिनिधियों को ज्ञापन देने का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी उपस्थित सदस्यों ने सहमति दी।

अरविंद तिवारी जिलाध्यक्ष लिपिक संघ द्वारा शासन द्वारा पद न भरे जाने से एक एक कर्मचारियों के पास दो से तीन शाखाओं के कार्य होने से स्वास्थ्य एवं परिवारिक कठिनाइयों से शासन को अवगत कराने की बात रखी। त्रिपाठी ने उक्त बिन्दुओं पर शासन एवं जन प्रतिनिधियों को शीघ्र ज्ञापन सौंपे जाने को कहा गया। बैठक में वरिष्ठ सदस्य हरि सिंह चौहान, नन्द किशोर रघुवंशी विभागाध्यक्ष वन विभाग, चूडामणि मिश्रा, डां मयंक तोमर, संजीव शर्मा,युवा अध्यक्ष जुगल किशोर भारतीय, अल्पसंख्यक संघ स्पीक संस्था अध्यक्ष जाहिद खान आदि ने भाग लिया।

ठंड से बचने के लिए महापौर के निर्देश पर निगम ने की शहर के प्रमुख स्थानों पर अलाव की व्यवस्था

खंडवा ■ निसं

दिसम्बर माह में अब ठंड धीरे धीरे अपने तेवर दिखाने लगी है। दिन भर सर्द हवाएं सिहरन पैदा कर रही है। वहीं तीन दिनों से शाम ढलते ही कड़ाके की ठंड का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। मौसम साफ रहने से सुबह-सुबह कोहरा भी छाने लगा है। मौसम के इस रूख की वजह से सबसे ज्यादा दिक्कत सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को पेश आ रही है। शहर की स्कूलों ने सुबह की पारी के समय में आंशिक बदलाव के बाद भी बच्चों को कोई खास राहत नहीं मिल रही है। पारे में गिरावट से आमजन जीवन भी प्रभावित होने लगा है। सुबह बाजार देर से खुलने के साथ ही शाम ढलते ही चहल पहल और रौनक कम हो जाती है। स्वेटर और गर्म कपड़ों के साथ ही गरमागरम सामग्री की पूछ परख बढ़ गई है।

समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि पिछले तीन चार दिनों से शहर में एकाएक ठंड का प्रभाव बढ़ गया है, रात्रि के साथ ही दिन में भी ठंडी हवा चल रही है। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महापौर अमृता अमर यादव एवं निगम आयुक्त प्रियंका सिंह राजावत के निर्देश पर निगम प्रशासन के जन उद्यान विभाग द्वारा शहर के प्रमुख स्थानों पर लकड़ी पहुंचाकर अलाव की व्यवस्था की गई। शहर के बस स्टैंड, नए बस स्टैंड घंटाघर, जिला अस्पताल, रेन बसेरा पार्वती बाई धर्मशाला के साथ ही अन्य स्थानों पर लकड़ी की व्यवस्था की जाकर रात्रि अलाव जलाकर ठंड से ठिठुर रहे लोगों को राहत पहुंचाई जा रही है। ठंड के मौसम में बजार में गजक,गराडू और सिके हुए हरे चने लोग पसंद कर रहे हैं। मौसम के मिजाज से जनस्वास्थ्य पर भी प्रभाव पड़ेगा। खासकर छोटे बच्चे ठंड की वजह से सर्दी व बुखार के शिकार हो रहे हैं। जिला अस्पताल में बड़ी संख्या में शिशुरोग विशेषज्ञ के कक्ष में उपचार के लिए बच्चों को लेकर परिजन पहुंच रहे हैं। वहीं ठंड से हृदयरोग और दमा के मरीजों को भी दिक्कतें पेश आने लगी है। ठंड से बचाव के लिए लोग गर्म कपड़ों के साथ ही अलाव का सहारा लेने लगे हैं। एक सप्ताह से तापमान में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। कभी दिन का अधिकतम तापमान नीचे जा रहा है तो कभी रात का तापमान चढ़ रहा है।

बांद्राभान तपोवन आश्रम में श्री राम कथा कल से तैयारियां जारी

नर्मदापुरम। पूज्य रूद्र ब्रह्मचारी तपस्वी मां जोगेश्वरी बाई राम की 21वीं पुण्य स्मृति एवं पूज्य माता स्वर्गीय कमलाबाई की छठवीं पुण्य स्मृति में श्री राम कथा का आयोजन तपोवन आश्रम उत्तर तट बांद्रा बांध में 17 दिसंबर से 21 दिसंबर तक आयोजित किया जा रहा है। श्री राम कथा का वाचन डॉक्टर राजकमल दास वेदांती महाराज करेंगे। कथा दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगी। इस धार्मिक अनुष्ठान में मां नर्मदा एवं ब्रह्मलीन माता जी की समाधि पर विशाल अभिषेक एवं भंडारे का आयोजन भी रखा गया है, जो की 21 दिसंबर शनिवार को प्रात: 8 बजे से प्रारंभ होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य संरक्षक केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं उनके धर्मपत्नी साधना सिंह चौहान रहेंगी। आयोजन ट्रस्ट समिति के विधायक बुधनी रमाकांत भार्गव, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह,सुहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, सलकनपुर देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महेश उपाध्याय, अशोक सिंह बद्री प्रसाद सिसोदिया, हरि सिंह मीणा, लक्ष्मण सिंह आदि ने श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

नर्मदापुरम से भी बड़ी संख्या में शामिल होंगे कांग्रेस जन

जनहित के मुद्दों को लेकर कांग्रेस करेगी आज विधानसभा का घेराव

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं विधानसभा में प्रतिपक्ष नेता उमंग सिंगार के आवहन पर जनहित के मुद्दों को लेकर कल मध्यप्रदेश विधानसभा का घेराव किया जा रहा है।

पार्टी द्वारा किए जा रहे विधानसभा के घेराव को ऐतिहासिक बनाने की दिशा नर्मदापुरम जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अपील है।यह घेराव प्रदर्शन सुबह 11बजे से रखा गया है। यह जानकारी हुजैफा बोहरा जिला अध्यक्ष युवा कांग्रेस कमेटी नर्मदापुरम एवं घनश्याम कीर गुड्डू जिला महासचिव युवा कांग्रेस कमेटी ने दी है।

तुलसी कप में रायपुर टीम ने मैच जीता

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

मालाखेड़ी में चल रही अंतर विद्यालय तुलसी कब प्रतियोगिता में रविवार को खेले गए मैच में शासकीय हाई स्कूल रायपुर ने विंध्यवासिनी मालाखेड़ी को हराया। विंध्यवासिनी स्कूल ने टॉस जीत कर पहले बैटिंग ली और निर्धारित 6 ओवर में सात विकेट खोकर 55 रन बनाए अमित ने दो छक्कों की सहायता से सर्वाधिक 17 रन बनाए, जबकि रायपुर के राज ने तीन विकेट लिए जवाब में रायपुर की टीम ने पांचवें ओवर में चार विकेट खोकर निर्धारित रन बनाकर मैच जीत लिया।

नितिन ने रायपुर स्कूल की तरफ से 21 रनों की पारी खेली, जिसमें दो छक्के शामिल थे विंध्यवासिनी के पियूष एवं शैलेश ने दो-दो विकेट लिए। बाद में खेले गए एक मनोरंजन मैच में ऑटो यूनियन नर्मदापुरम् की टीम मालाखेड़ी एकादश से हार गई। मालाखेड़ी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49 रन 6 ओवर में बनाएं राजेश रैकवार ने ऑटो संघ की तरफ से दो विकेट लिए, जबकि माला खेड़ी की तरफ से इम्तियाज ने 23 रन बनाए। जवाब में ऑटो संघ की टीम 6 ओवर पूरे खेल कर 42 रन बना पाई और सात रन से मैच हार गई।

प्रतियोगिता के अवसर पर विकास नरोलिया, विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव, भारतीय जनता पार्टी मंडल अध्यक्ष रोहित गौर, पूर्व पार्षद अतुल भंडारी, पार्षद पंकज पांडे, अनिल दुबे, मुकेश नागर,ऑटो संघ अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, ऑटो संघ सचिव एवं विधायक प्रतिनिधि अनिल मिश्रा, ऑटो संघ उपाध्यक्ष बद्री प्रसाद केवट एवं गणेश यादव तथा राजेश रैकवार उपस्थित रहे।

निर्णायक मनु दुबे एवं रिजबान खां रहे।आज सोमवार को इन स्कूल्स के मैच होंगे। पण्डित रामलाल शर्मा हायर सेकेंडरी स्कूल, सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, प्रेरणा कॉन्वेंट एवं शासकीय एसएनजी स्कूल के बीच मैच खेले जाएंगे।

श्याम प्रेमी द्वारा बाबा खाटू श्याम की पदयात्रा शुरू

सिवनी मालवा ■ निसं

श्याम प्रेमियों द्वारा बाबा खाटू श्याम के लिए पदयात्रा का संकट मोचन हनुमान मंदिर फेल मोहल्ले से शुभारंभ हुआ। जिसमें 11 श्याम प्रेमियों द्वारा खाटू श्याम के लिए पदयात्रा शुरू की गई। यह पद यात्रा लगभग 900 किलोमीटर की होगी।

खाटू श्याम के पदयात्रा में श्याम प्रेमियों की संख्या पहले पांच हुआ करती थी लेकिन इस बार बढ़कर 11 श्याम प्रेमीयों ने इस यात्रा में भाग लिया। पदयात्रा करने वाले श्याम प्रेमियों में श्याम अग्रवाल, हेमंत पालीवाल, रोहित भिलाला, आकाश भिलाला, विवेक राव, हर्ष राजपूत, हनी बिल्ले, विनोद रघुवंशी, अमित पालीवाल, संदीप केवट है। पदयात्रा मे डी जे ढोल बाजे के साथ श्याम प्रेमियों द्वारा नृत्य करते हुए बाबा श्याम की जयकारे के नारे लगाए गए। रास्ते में आतिशबाजी की गई। यात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए निकाली गई। जगह-जगह पदयात्रा का नागरिकों द्वारा जगह जगह स्वागत किया गया। सर्वप्रथम श्याम बाबा की आरती की गई तत्पश्चात सभी श्याम प्रेमी पद यात्रियों को तिलक लगाकर श्याम बाबा का दुपट्टा पहनाया गया। पदयात्रा शिवपुर मार्ग से होते हुए खाटू श्याम के लिए रवाना की गई। पदयात्रा में राजा तिवारी, श्रीकांत अग्रवाल, रितेश मालवीय, संदीप बातव, मुकेश अग्रवाल, दीपक सोनी, सोनू अग्रवाल, पंकज गेदर सहित सैकड़ो की संख्या श्याम प्रेमियों ने पदयात्रा में शामिल होकर पद यात्रियों को विदाई दी।

पुलिस ने दी विद्यार्थियों को कानून की जानकारी सायबर क्राइम से बचने के बताये उपाय

सिवनी मालवा ■ निसं

मप्र जन अभियान परिषद द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित बीएसडब्ल्यू तथा एमएसडब्ल्यू की कक्षाओं के विद्यार्थियों ने आज कानून संबंधी जानकारी प्राप्त की साथ ही सायबर क्राइम से बचने के उपाये जाने।

पुलिस थाना परिसर में आयोजित कार्यक्रम में थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके, स्टाफ एस आई सोनाली चौधरी, एस आई सहजाद खान, राजा तिवारी ने विद्यार्थियों को कानून संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई। आपने साइबर क्राइम, ऑनलाइन ठगी कैसे होती है तथा इससे बचाव कैसे करना है इस पर विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। सोशल मीडिया के दुरुपयोग और इससे होने वाले अपराधों के बारे में बताकर सचेत किया। अपराधों को रोकने में हंड्रेड डायल, महिला डेस्क की भूमिकाओं पर चर्चा की। कानून संबंधी महत्वपूर्ण धाराओं की जानकारी दी। साथ ही एफआइआर तथा पुलिस विभाग से संबंधित शब्दावलियों के बारे में विस्तार से बताया। विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाओं से जुड़े हुए सवाल जवाब कर जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा, परामर्शदाता नर्मदा यदुवंशी, रघुवीर मालवीया, नेहा यादव, सेवनदास लौवंशी, नवांकुर संस्था के सुनील सिंगोरिया तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ग्रामीणों को उनके नजदीकी स्थान पर ही मिलेंगी स्वास्थ्य सुविधाएँ

भोपाल। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि प्रदेश में नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा उनके ग्राम में ही मिले, इसके लिये राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं का ग्रामीण स्तर पर तेजी से विस्तार कर रही है। मंत्री श्री सिंह शनिवार को नरसिंहपुर के गाडरवारा के ग्राम पचामा में 49 लाख रुपये की लागत से निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मंत्री सिंह ने कहा कि राज्य सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर प्रदेश में जन-कल्याण पर्व मनाया जा रहा है। इस दौरान नागरिकों की समस्याओं का निराकरण उनके ही गाँव में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र बन जाने से ग्रामीणों को ब्लड-प्रेशर, शुगर, खून की जाँच, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण जैसे कामों के लिये दूर नहीं जाना पड़ेगा। उप स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों को नि-शुल्क दवाइयाँ भी उपलब्ध रहेंगी। इस मौके पर पंचायत पदाधिकारी मौजूद थे।

फुटपाथ पर बिक रहा एक्सपायरी डेट का फूड प्रोडक्ट

भोपाल। अगर आप भी फुटपाथ से खाद्य पदार्थ की खरीदी कर रहे है तो सावधान हो जाए। दरअसल, मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक्सपायरी डेट का फूड प्रोडक्ट बेचा जा रहा था। खाद्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए 400 किलो सामग्री जब्त की है। फिलहाल फूड ऑफिसर आगे की कार्रवाई में जुटे हुए है। जानकारी के मुताबिक, भोपाल टॉकीज के पास फुटपाथ पर मोहम्मद जाहिद नाम का शख्स दुकान लगा रखा था। जहां धड़ल्ले से एक्सपायरी डेट का फूड प्रोडक्ट बेचा जा रहा था। इसकी शिकायत खाद्य विभाग से की गई। जिसके आधार पर खाद्य विभाग ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। दुकान से 400 किलो सामग्री जब्त की गई है। फिलहाल खाद्य विभाग की टीम आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। आपको बता दें कि त्योहारों के मौसम में खाद्य पदार्थों का कारोबार और भी तेजी से बढ़ जाता है। इस दौरान सस्ते और घटिया किस्म के पदार्थों को बाजार में बेचा जाता है।

वीर बाल दिवस पर 26 दिसम्बर को स्कूलों में होंगे आयोजन

भोपाल। सिक्खों के 10वें गुरु गोविंद सिंह जी के वीर पुत्रों, साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह के बलिदान के मौके पर 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस मनाया जाता है। इस मौके पर प्रदेश के स्कूलों में वीर पुत्रों के बलिदान पर केन्द्रित आयोजन होंगे। वीर बाल दिवस के मौके पर ऱ्मेरे सपनों का भारत', 'मुझे किससे खुशी होती है', विषय पर चित्रकला, कहानी एवं निबंध लेखन की गतिविधियाँ होंगी। माध्यमिक स्तर के बच्चों के लिये 'राष्ट्र निर्माण में बच्चों की भूमिका और विकसित भारत के लिये मेरा दृष्टिकोण' विषय पर निबंध लेखन, कविता, वाद-विवाद एवं डिजिटल प्रेजेंटेशन होगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने समस्त जिला शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि उनके जिले की शालाओं में प्रार्थना सभा में बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्त विद्यार्थियों की प्रेरणादायी कहानियाँ सुनाई जायें।

बेरोजगारों से करोड़ों जुटाएगी बिजली कंपनी

उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार डालने वाली बिजली कंपनी अब परीक्षा फीस का करंट मारेगी

भोपाल ■ निसं

अभी तक बिजली की दरें बढ़ाकर उपभोक्ताओं पर आर्थिक भार डालने वाली बिजली कंपनी अब परीक्षा फीस का करंट मारेगी। दरअसल,प्रदेश में बिजली कंपनियों में लंबे समय बाद भर्ती प्रक्रिया होने जा रही है। 2573 पदों के खिलाफ पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी ने विज्ञापन जारी किया है। जिसमें के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 24 दिसंबर निर्धारित की है। हालांकि अभी न तो परीक्षा की तिथि तय है और न ही परीक्षा का सिलेबस निर्धारित किया है। लेकिन प्रति आवेदन 1200 रुपए शुल्क लिया जाएगा। जिससे बिजली कंपनी करोड़ों रुपए जुटा लेगी। खास बात यह है कि तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए यह शुल्क प्रदेश के इतिहास में अब तक सबसे ज्यादा है। इससे पहले कभी किसी भी भर्ती एजेंसी ने इन पदों के लिए इतना ज्यादा परीक्षा शुल्क नहीं वसूला है। पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी द्वारा ऊर्जा विभाग की सभी 6 बिजली कंपनियों, जिनमें पूर्व क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र, पश्चिम मध्य, पॉवर जनरेटिंग कंपनी, पॉवर मैनेजमेंट कंपनी और पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के खाली पड़े 2573 पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। प्रबंध संचालक मप्र पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी रजनी सिंह का कहना है कि परीक्षा शुल्क कोई ज्यादा नहीं है। पूर्व में भी विभाग ने जो भर्तियां की थी, उनमें इतना ही शुल्क लिया था। कर्मचारी चयन बोर्ड या अन्य एजेंसी कितना परीक्षा शुल्क लेती है, इसकी जानकारी नहीं है।

इन पदों पर होनी है भर्ती

जिन पदों पर भर्ती हो रही हैं, उनमें कार्यालय सहायक श्रेणी - 3, लाईन परिचालक (वितरण), सुरक्षा उप निरीक्षक, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र) मैकेनिकल, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र) इलेक्ट्रॉनिक, कनिष्ठ अभियंता/सहायक प्रबंधक (सिविल), कनिष्ठ अभियंता/सहायक प्रबंधक (ट्रांस./वितरण/संयंत्र-इलेक्ट्रिकल) सहायक विधि अधिकारी/ विधि सहायक आदि शामिल हैं। साथ ही सहायक प्रबंधक (मा.सं.), सहायक प्रबंधक (सू.प्रौ.), संयंत्र सहायक- मैकेनिकल, संयंत्र सहायक (इलेक्ट्रिकल), औषधि संयोजक, भंडार सहायक, कनिष्ठ शीघ्र लेखक, एएनएम, ड्रेसर (पट्टी बंधक), स्टाफ नर्स, लैब टेक्नीशियन, रेडियोग्राफर, ईसीजी टेक्नीशियन, अग्निशामक, सुरक्षा सैनिक, प्रोग्रामर, कल्याण सहायक, सिविल परिचारक इत्यादि शामिल हैं।

भर्ती सभी 6 बिजली कंपनियों के लिए: आरक्षित वर्ग के आवेदकों के लिए परीक्षा शुल्क में रियायत दी गई है। बिजली कंपनी की भर्ती परीक्षा विज्ञापन को लेकर विवादों में न होकर चर्चा में है। सरकारी सूत्रों ने बताया कि परीक्षा शुल्क को लेकर बिजली कंपनी के अफसरों ने अपने स्तर पर निर्णय लिया है। शासन स्तर के अफसरों की सिर्फ मौखिक स्वीकृति ली है। जबकि शासन की लिखित सहमति नहीं ली गई है। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा विभाग में 2573 पदों भर्ती सभी 6 बिजली कंपनियों के लिए है। भर्ती की जिम्मेदारी पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी को सौंपी गई है। भर्ती प्रक्रिया की नोडल कंपनी मप्रपक्षेविविकं इंदौर की प्रबंध निदेशकरजनी सिंह ने बताया कि परीक्षा एमपी ऑनलाइन द्वारा ली जाना हैं। इसके फार्म 24 दिसंबर से ऑनलाइन लिए जाएंगे, सभी फार्म जमा होने के उपरांत परीक्षा तिथि की विधिवत घोषणा कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि कंपनी के अधिकारी एमपी ऑनलाइन की टीम से सतत संपर्क में हैं, परीक्षाओं को लेकर जारी सिलेबस भी आगामी एक सप्ताह में वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

परीक्षा शुल्क से करोड़ों की वसूली

वसूली परीक्षा शुल्क से पश्चिम क्षेत्र बिजली कंपनी के माध्यम से परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी एजेंसी एमपी ऑनलाइन करोड़ों रुपए की कमाई कर लेगी। बिजली कंपनी ने अनारक्षित श्रेणी के लिए 1200 रुपए और आरक्षित श्रेणी के लिए 600 रुपए परीक्षा शुल्क रखा है। प्रदेश के इतिहास में किसी भी सरकार ने तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के पदों लिए बेराजगारों से इतना शुल्क नहीं लिया है। कर्मचारी चयन बोर्ड (ईएसबी) द्वारा प्रमुख भर्ती परीक्षाओं के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में एक पद के लिए औसतन 100 आते हैं। कुछ परीक्षाओं में यह संख्या ज्यादा या कम हो जाती है। ऐसे में बिजली कंपनी के 2573 पदों के विरुद्ध 2 लाख 57 हजार आवेदन आ सकते हैं। यह संख्या कम या ज्यादा भी हो सकती है।

अब मास्टर ट्रेनर कराएंगे परीक्षा की तैयारी

बोर्ड परीक्षा के अच्छे परिणाम लाने की कवायद

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में वार्षिक परीक्षा के लिए अब तीन माह का ही समय रह गया है। मध्य प्रदेश बोर्ड इस परीक्षा की तारीखों का एलान कर चुका है। इस बार परीक्षा परिणाम न बिगड़े इसकी चिंता विभाग को सता रही है। यही वजह है कि इस बार विभाग मास्टर ट्रेनर तैयार कर रहा है, जो छात्रों को परीक्षा की तैयारी कराने का काम करेंगे। इनका काम 10वीं व 12वीं की परीक्षा के छात्रों को परीक्षा की तैयारी करवाना होगा। दरअसल, 10वीं में इस बार बेस्ट ऑफ फाइव योजना समाप्त हो गई है। इसकी वजह से परीक्षा परिणाम बिगडने् की संभावना को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है।

इस बार राज्य स्तर पर विषयवार मास्टर ट्रेनर चयनित किए गए हैं, जो जिले के सीएम राइज स्कूलों के शिक्षकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण देकर बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराएंगे। इसके अलावा स्कूलों में साथ ही सभी स्कूलों में वार्डन शिक्षक तैनात किए जा रहे हैं, जो प्रत्येक विद्यार्थी की मॉनीटिरंग करेंगे। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने सभी जिले के संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और प्राचार्यों को बोर्ड परीक्षाओं में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। निर्देशित किया गया है कि 10वीं व 12वीं में पढ़ाने वाले शिक्षकों को किसी भी स्थिति में गैर शैक्षणिक कार्य में नहीं लगाया जाए।

छमाही परीक्षा के दौरान कक्षा लगाई जाएगी: छमाही परीक्षा आगामी सोमवार से शुरू होने वाली है। इस बार परीक्षा के बाद भी कक्षाएं लगाई जाएंगी, ताकि अगले दिन के विषय की तैयारी कराई जाए। सभी गतिविधियों के स्थान पर मुख्य विषयों को पढ़ाया जाए। शीतकालीन अवकाश के दौरान तीन वर्षों के प्रश्नपत्रों का अभ्यास कराया जाए।

मास्टर ट्रेनर को प्रशिक्षित किया गया

इस बार प्रोजेक्ट बेस लर्निंग पद्धति अपनाई गई है। इसमें विद्यार्थियों की समस्या को पहचानकर प्रोजेक्ट द्वारा हल कराने का प्रयास किया जाता है। प्रदेश के 274 सीएम राइज स्कूलों के 32 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर चयनित किया गया है। इन्हें एक स्वयंसेवी संस्था की ओर से पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। ये मास्टर ट्रेनर प्रत्येक संभाग के शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे। इसी तरह से प्रत्येक स्कूल में वार्डन शिक्षक बनाए जाएंगे। इन वार्डन शिक्षकों को पांच विद्यार्थियों की जिम्मेदारी दी जाएगी। ये वार्डन शिक्षक विद्यार्थियों को परीक्षा तैयारी से लेकर खान- पान, जागने व सोने से लेकर प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखेंगे। हर सप्ताह की रिपोर्ट तैयार करेंगे। साथ ही प्रत्येक सप्ताह टेस्ट लेकर तैयारी को परखा जाएगा।

साकेत नगर की क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का निर्माण मेट्रो एजेंसी से कराएंगे-राज्यमंत्री श्रीमती गौर

भोपाल ■ निसं

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने रविवार को गोविंदपुरा क्षेत्र में 2 करोड़ 60 लाख रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। इस अवसर पर साकेत नगर के रहवासियों ने उनके क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों की शिकायत की तो उन्होंने कहा कि जो सड़कें मेट्रो के निर्माण के चलते खराब हुई है उनका निर्माण मेट्रो एजेंसी से जल्द से जल्द कराया जाएगा।

उन्होंने गोविंदपुरा क्षेत्र के रहवासियों की विभिन्न समस्याओं को सुना, साफ-सफाई और लो प्रेशर से पानी आने की शिकायत मिलने पर उन्होंने अधिकारियों को समस्या के निराकरण के लिए निर्देश दिए। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने साकेत नगर के वार्ड 57 में शक्ति नगर, रंसरंग स्वीट्स के पीछे एक करोड़ 5 लाख की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। साकेत नगर में 40 लाख रूपये की लागत के 4, और क्र्में डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। 41 लाख रूपये के साकेत नगर 2 सी में जय मां दुर्गा भवानी मंदिर के पास बाउंड्री वॉल, शौचालय, सड़क और नाली के निर्माण कार्य का भूमि-पूजन किया। वार्ड 57 के पंचवटी मार्केट में 65 लाख रुपए की लागत से डामरीकरण कार्य का भूमि-पूजन किया। इस दौरान पार्षद सुरेंद्र वाडिका, प्रताप सिंह बेस, टी आर मिश्रा, नीरज सिंह, अशोक पटेल, प्रदुमन शास्त्री शाहिद सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता और आवासी मौजूद रहे।।

रॉन्ग साइड से आ रहे बाइक सवार को बचाने की कोशिश में हादसा हुआ

भोपाल में डिवाइडर से टकराकर पलटा ऑटो, चालक की मौत

भोपाल ■ निसं

भोपाल के गोविंदपुरा इलाके में सांची दुग्ध संघ के पास शनिवार सुबह 11ः30 बजे एक ऑटो डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। चालक को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उपचार के दौरान रविवार सुबह उसकी मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि यह हादसा रॉन्ग साइड से आ रहे बाइक सवार को बचाने के प्रयास में हुआ। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

प्रदीप लोधी (30) पिता रामलाल लोधी, बागमुगालिया का रहने वाला था। वह अपना लोडिंग ऑटो चलाता था। शनिवार सुबह सांची दुग्ध संघ के गेट नंबर पांच के पास से गुजरते समय यह हादसा हुआ। मृतक के मामा सुरेश ने बताया कि सामने तेज रफ्तार में रॉन्ग साइड से आता हुआ बाइक सवार दिखाई दिया। बाइक चालक बेहद करीब आ चुका था। उसे बचाने के प्रयास में प्रदीप का ऑटो अनियंत्रित हो गया और डिवाइडर पर चढ़ने के बाद पलट गया। इस दुर्घटना में प्रदीप को गंभीर चोटें आईं।

जेपी अस्पताल में उपचार करने से इनकार किया: मृतक के मामा ने बताया कि घटना के तुरंत बाद घायल प्रदीप को जेपी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे भर्ती करने से इनकार कर दिया और उसकी गंभीर हालत का हवाला देते हुए हमीदिया अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इस दौरान काफी खून बह चुका था। हालांकि उसे हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज चेक किए जाएंगे ताकि हादसे की सही वजह सामने आ सके।

तीन साल पहले हुई थी शादी

प्रदीप की शादी तीन साल पहले हुई थी। उसने लव मैरिज की थी, लेकिन उसकी कोई संतान नहीं थी। प्रदीप अपने फाइनेंस किए गए लोडिंग ऑटो से कमाई करता था, जिससे वह किश्तें चुकाने के साथ परिवार का खर्च भी चलाता था।

भोपाल में छेड़छाड़ से परेशान छात्रा ने सुसाइड किया

पिता बोले-पड़ोसी युवक ने की थी गंदी हरकत, नाबालिग ने मां को बताकर जहर पीया

भोपाल ■ निसं

भोपाल के ईंटखेड़ी इलाके में रहने वाली 14 साल की 9वीं की छात्रा ने शुक्रवार को कीटनाशक दवा पी ली। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात हमीदिया हॉस्पिटल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पिता का कहना है कि बेटी के साथ गांव के युवक ने गंदी हरकत की थी। सुसाइड से पहले बेटी ने मां को पूरे मामले की जानकारी दी थी।

मां के किसी को कुछ बताने से पहले ही लड़की ने जहर पी लिया।

इधर, पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। रविवार दोपहर को पोस्टमॉर्टम के बाद शव को परिजन को सौंप दिया गया है। पुलिस का कहना है कि बयान लेने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घर लौटने के बाद बेटी ने अपनी मां को पूरा घटनाक्रम बताया। मां किसी को कुछ बता पाती, इससे पहले ही बेटी ने घर में रखी कीटनाशक दवा पी ली। इससे उसको उल्टियां होने लगीं। तत्काल उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से हमीदिया जाने के लिए कहा गया। हमीदिया हॉस्पिटल में इलाज के दौरान शनिवार देर रात उसकी मौत हो गई।

आरोपी के पिता ने ऑटो से अस्पताल पहुंचाया: नाबालिग के पिता का कहना है कि उन्हें जानकारी नहीं थी कि बेटी ने जहरीला पदार्थ क्यों खाया है। चीख-पुकार सुनते ही आरोपी युवक के पिता और मां भी घर आ गए।

पिता बोले- छेड़छाड़ से आहत होकर जान दी

छात्रा के पिता ने बताया कि शुक्रवार की सुबह बेटी स्कूल जाने के लिए हर रोज की तरह उठी थी। घर के पास ही टॉयलेट के लिए गई। उस समय करीब 7ः45 बजे होंगे। बेटी लौट रही थी, तभी गांव के रहने वाले एक युवक ने उसे पकड़ लिया और गंदी हरकत की।

विधानसभा में प्रश्न लगा तो 49 शिक्षकों का अटैंचमेंट खत्म

भोपाल। जनजातीय कार्य विभाग ने 49 शिक्षकों का अटैचमेंट समाप्त कर दिया है। इस संबंध में जनजातीय कार्य विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। इनमें से ज्यादातर प्रकरण रतलाम जिले से हैं। बताया गया कि शासन की रोक के बावजूद लगातार किए जा रहे अटैचमेंट को लेकर विधानसभा में सवाल पूछा गया है। सत्र शुरू होने से पहले ही विभाग ने सभी अटैचमेंट खत्म कर दिए हैं। उल्लेखनीय है कि इस संबंध में 10 दिसंबर को आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने सभी मैदानी अधिकारियों को पत्र लिखकर तबादलों पर प्रतिबंध के बावजूद तबादला या संलग्न आदेशों को निरस्त करने के निर्देश दिए थे।

बर्फीली हवाओं से तीखे हुए सर्दी के तेवर

मप्र में अगले तीन दिन शीतलहर, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

भोपाल ■ निसं

मप्र में कड़ाके की ठंड का असर पूरे प्रदेश में महसूस किया जा रहा है। अगले दो दिनों तक (16-18 दिसंबर तक) शीतलहर का प्रभाव जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 18 दिसंबर के बाद ठंड में थोड़ी राहत मिलने की संभावना है। मौसम विभाग की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि उत्तर भारत से चलने वाली बर्फीली हवाओं की वजह से पूरा प्रदेश ठिठुर रहा है। रविवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहा।

भोपाल, इंदौर समेत 36 जिलों में शीतलहर और कोल्ड डे का अलर्ट जारी किया गया है। शाजापुर, सीहोर, विदिशा, रायसेन, जबलपुर और शहडोल में ऑरेंज अलर्ट जारी है। विदिशा, रायसेन, शाजापुर, और सीहोर में बर्फ जमने की संभावना है। पचमढ़ी में तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। उमरिया में 2.8 डिग्री और मंडला में 3 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल और जबलपुर क्रमशः 4.2 और 4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रमुख शहरों में सबसे ठंडे रहे।

ठंड का कारण: उत्तर भारत से बर्फीली हवाओं के आने और पश्चिम-उत्तर भारत में 222 किमी/घंटा की गति से चल रही सब-ट्रॉपिकल जेट स्ट्रीम हवाओं के कारण प्रदेश में ठंड का असर अधिक हो गया है।

पेड़-पौधों पर बर्फ जमने की संभावना बढ़ गई: ठंड के कारण पेड़-पौधों पर बर्फ जमने की संभावना बढ़ गई है, जिससे कृषि पर भी असर पड़ सकता है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में ठंड से बचाव के लिए सावधानियां बरतने की सलाह दी गई है।

महानगरों में परिवर्तित किए जाएंगे मप्र के 4 शहर

भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर को बनाया जाएगा मेट्रोपोलिटन सिटी

भोपाल ■ निसं

मप्र में जल्द ही दिल्ली, मुंबई, चैन्नई जैसे महानगरों की तर्ज पर चार जिलों का विकास होगा। राज्य सरकार ने प्रदेश की राजधानी भोपाल, प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी इंदौर, संस्कारधानी जबलपुर और ग्वालियर को महानगरों यानि मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में बदलने की योजना पर काम करना शुरु कर दिया है। इसी क्रम में इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन बनाने की तैयारी भी प्रारंभ कर दी गई है। इंदौर महानगर में आसपास के जिलों के हजारों वर्ग किमी क्षेत्र को शामिल किया जा रहा है।

गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव के निर्देश पर इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन के लिए कवायद शुरु की जा चुकी है। जिला प्रशासन ने नगर निगम की सीमा में आने वाले कई गांवों को शामिल करने की योजना बनाई है। इंदौर मेट्रोपोलिटन रीजन के अंतर्गत चारों ओर के 29 गांवों के समग्र विकास की पहल की जा रही है। इंदौर नगर निगम सीमा में करीब एक दशक पहले शामिल किए गए इन गांवों में टैक्स बढ़ोत्तरी की गई लेकिन सुविधाओं पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। अधिकारी अब इनपर फोकस कर रहे हैं। सभी 29 गांवों में अब लकदक कालोनियां नजर आएंगी। यहां के ड्रेनेज सिस्टम को सुधारा जाएगा, सडक़ जैसी मूलभूत अधो संरचनाएं डेवलप की जाएंगी और बिजली, पानी की सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। पेयजल के लिए नर्मदा का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इंदौर जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन (महानगरीय क्षेत्र) के प्रस्ताव में भी ये गांव शामिल हैं। इन गांवों में कृषि भूमि पर कई कॉलोनियां विकसित हो चुकीं हैं और बड़ी इमारतें भी बन गईं।

इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन में धार, उज्जैन और देवास भीः इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन में इन गांवों के साथ ही इंदौर से सटे घार, उज्जैन और देवास जिले के हिस्से भी शामिल किए गए हैं। मेट्रोपालिटन रीजन के रूप में इंदौर सहित चारों जिलों के समग्र विकास की योजना बनाई गई है। अधिकारियों के अनुसार इंदौर के 29 गांवों के साथ ही उज्जैन, धार और देवास के कई गांवों को भी इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन में शामिल किया गया है। इंदौर मेट्रोपालिटन रीजन के रूप में सभी चार जिलों का कुल 7,863 वर्ग किमी एरिया मिलाकर महानगर की शक्ल लेगा। प्रस्तावित इंदौर महानगर में धार जिले के औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर को भी शामिल किया गया है। इंदौर, उज्जैन, देवास और धार जिले के कुछ हिस्सों को मिलाकर एक मेट्रो सिटी बनने से इन चारों जिलों का भी विकास होगा। युवाओं के लिए रोजगार के मौके बढ़ेंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बढ़ेगी अर्थव्यवस्था, मिलेगा रोजगारः भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर को मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में बदलने के बाद मप्र के युवाओं को अब नौकरी के लिए प्रदेश से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। राज्य की अर्थव्यवस्था भी जल्द ही तेज रफ्तार पकड़ेगी। ऐसा इसलिए हो सकेगा क्योंकि अब प्रदेश में दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर मेट्रो सिटी विकसित होगी। सीएम डॉ. मोहन यादव की ओर से प्रदेशवासियों के लिए ये बड़ी सौगात है।

जमीन विवाद में सास-ससुर ने महिला को जहर पिलाया

भोपाल। नजीराबाद इलाके में जमीन विवाद के चलते एक विधवा महिला को उसके ससुराल पक्ष ने शनिवार को जबरदस्ती जहर पिला दिया। महिला को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 30 वर्षीय थप्पी बाई ग्राम जमीला की निवासी है। चार साल पहले उसके पति का निधन हो गया था। पति की मौत के बाद से महिला ससुराल पक्ष से संपत्ति में अपना हिस्सा मांग रही थी। महिला के परिवार की 20 एकड़ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी बात को लेकर शनिवार को महिला की सास नन्नी बाई गुर्जर, ससुर कुबेर सिंह, ननदोई मेहरबान और चाचा ससुर इंदर ने उसे जबरन पकड़कर जहर पिला दिया।

अनमोल वचन

यदि आप बार-बार शिकायत नहीं करते हैं तो आप किसी भी कठिनाई को दूर कर सकते है। - बर्नार्ड एम. बारुच

दीपक के प्रकाश की तरह अच्छे काम की ख्याति भी चारों और फैलती है। - विलियम शेक्सपियर

सम्पादकीय

कंपनियों का मुनाफा 400 फ़ीसदी बढ़ा, कर्मचारियों और आम लोगों की आय मात्र 4 फ़ीसदी बढ़ी

पिछले कुछ वर्षों से भारतीय अर्थव्यवस्था मे अभूतपूर्व परिवर्तन देखे जा रहे हैं। बड़ी कंपनियों का मुनाफा 400 फीसदी तक बढ़ा है। यह आर्थिक प्रगति का एक पक्ष है, इसका दूसरा पक्ष, अनदेखा है। कर्मचारियों की वेतन वृद्धि मात्र 4फीसदी की हुई है। निजी कर्मचारियों और आम आदमियों की औसत आय में अमूमन कोई वृद्धि नहीं हुई है। महंगाई और बेरोजगारी बढ़ती चली जा रही है। उसके अनुपात में लोगों की आय नहीं बढ़ना, यह असमानता भारतीय अर्थव्यवस्था के गहराते सामाजिक-आर्थिक विभाजन को गहरा कर रही है। यह अंतर स्पष्ट करता है, कि कंपनियों का ध्यान मुनाफे और लागत मे कटौती पर केंद्रित है। कोरोना महामारी के बाद अर्थव्यवस्था की बेहतर तरीके से वापसी हुई है। इसका लाभ केवल कॉरपोरेट और बड़े-बड़े कारोबारियों तथा शेयर निवेशकों तक सीमित होकर रह गई है। दूसरी ओर, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता मशीनी तकनीकी की प्रगति ने रोजगार और श्रमिकों की वेतन वृद्धि को धीमा कर दिया है। भारत जैसे देश में संविदा एवं दैनिक भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति बहुत कम पारिश्रमिक में किए जाने के कारण मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग तक बढ़ी हुई अर्थव्यवस्था का लाभ पहुंच नहीं पा रहा है। कंपनियां अपने मुनाफे में इजाफा करने के लिए कर्मचारियों के हितों और भलाई को नजरअंदाज कर रही हैं। वेतन वृद्धि, महंगाई वृद्धि दर का अब कोई औचित्य नहीं रह गया है। कर्मचारियों की वास्तविक आय कम होती जा रही है। इस स्थिति का असर समाज के कमजोर और मध्यम वर्ग के सभी वर्गों के ऊपर समान रूप से क्रय शक्ति पर पड़ा है। बढ़ती हुई महंगाई और मुनाफाखोरी के कारण समाज के सभी वर्गों की क्रय शक्ति लगातार घटती चली जा रही है। इस गंभीर समस्या के समाधान की जिम्मेदारी सरकार और कंपनियों को मिलकर करने की है। सरकार को ऐसे कानून लाने चाहिए, जो कर्मचारियों को उनके काम का उचित पारिश्रमिक देने के लिए बाध्य करे। सरकार को ऐसा कानून बनना होगा जो कंपनियों के मुनाफे को नियंत्रित करे, और कंपनियों के मुनाफे का एक हिस्सा अपने कर्मचारियों एवं उपभोक्ताओं के साथ साझा करे। नई तकनीकों के बढ़ते उपयोग के साथ, कर्मचारियों को नए कौशल सीखने के अवसर देने की जरूरत है। मशीनी एवं मानव रोजगार के ऊपर भी नियंत्रण करने की जरूरत है। आर्थिक प्रगति का असली उद्देश्य तभी पूरा होगा। जब अर्थव्यवस्था का लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुंचे। भारत सरकार को ऐसी नीति बनानी होगी, जिसमें कंपनियों का मुनाफा, उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति और कर्मचारियों की आर्थिक बेहतरी भी शामिल हो।

भारत के आर्थिक विकास के इस दौर में, सामाजिक और आर्थिक संतुलन बनाए रखना अति आवश्यक है। कर्मचारियों की वेतन वृद्धि, नौकरी के अधिक से अधिक अवसर, नौकरी की सुरक्षा, कर्मचारी और उनके परिवार की जिंदगी में सुधार लाएगी। उपभोक्ताओं की यदि क्रय शक्ति बनी रहेगी, तो इससे कर्मचारियों और कंपनियों का भविष्य भी बेहतर होगा। देश की आर्थिक प्रगति तेजी के साथ आगे बढ़ेगी। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक मंदी के इस दौर में सरकार और कंपनियों को अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा। न्यायपूर्ण आर्थिक विकास से ही देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिति मजबूत होगी। पिछले 11 वर्षों में आर्थिक असमानता जिस तेजी के साथ बढ़ी है, उसे देखते हुए चिंता होती है। गरीब और मध्यम वर्ग लगातार गरीब होता जा रहा है। गरीब और मध्यम वर्ग के ऊपर कर्ज का बोझ बढ़ता चला जा रहा है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों और नगरीय निकायों के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ा रही है। पिछले 11 वर्षों में सरकार और संस्थाओं द्वारा शुल्क और टैक्स बड़ी तेजी के साथ बढ़ाए गए हैं। गरीबों को भी अब सबसे ज्यादा टैक्स देना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में सरकार द्वारा यदि ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आगे चलकर स्थिति नियंत्रण से बाहर जा सकती है। उसका आभास होने लगा है। लोगों की क्रय शक्ति लगातार कम होती जा रही है। यदि क्रय शक्ति समाज के सभी वर्गों की बनी रहेगी तभी जाकर भारत आर्थिक विकास की राह में बड़ी तेजी के साथ आगे बढ़ सकेगा।

चिंतन-मनन

सम्मान पाने के लिए मर्यादा का पालन जरूरी

संसार में भगवान राम मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में पूजे जाते हैं। इसका कारण यह है कि इन्होंने अपने जीवन में हर रिश्ते के साथ न्याय किया। इन्होंने कभी भी बड़ा होने का अभिमान नहीं दिखाया। इन्होंने छोटे भाइयों को सम्मान दिया और सदैव माता-पिता के आज्ञाकारी रहे। पत्नी की सुरक्षा के लिए रावण से लड़े और राजा के रूप में जनता को महत्व दिया। लेकिन जब कोई व्यक्ति अपनी मर्यादा की सीमा रेखा को तोड़कर आगे बढ़ने की कोशिश करता है तभी विवाद और क्लेश उत्पन्न होता है। वर्तमान समय में कई ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं कि बेटे ने पिता को घर से बाहर निकाल दिया। बेटे ने बाप की संपत्ति हड़प ली। ससुर का अपनी बहू से अनैतिक संबंध है और भाई ने बहन का अपमान किया। जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो मर्यादा का हनन होता है। संसार में रिश्तों की डोर का निर्माण मर्यादा की रक्षा के लिए किया गया था। यही सामाजिक जीवन का आधार भी है। जब कोई मार्यादा का उल्लंघन करता है तब सामाजिक व्यवस्था बिगडने लगती है और मर्यादा का उल्लंघन करने वाला और मर्यादा का हनन होने वाला दोनों ही अपमानित होता है। जब कोई किसी के साथ अमर्यादित व्यवहार करता है तो उसे भी अर्मायादित व्यवहार ही प्राप्त होता है। उदाहरण के तौर पर गंगा नदी जब तक अपनी सीमा में प्रवाहित होती है उसे माता का दर्जा प्राप्त होता है, लोग इसकी आरती उतारते हैं। लेकिन जब अपनी मर्यादा का उल्लंघन करके तटों को तोड़कर आगे बढ़ती है तब गंगा आदरणीय नहीं रह जाती है। नाले के जल में मिलकर गंगाजल गंदाजल कहलाने लगता है।

मोदी के विकसित भारत की उड़ान भरता मोहन का मध्यप्रदेश

पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की दूरदर्शिता और दृढ़-संकल्प ने प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं। उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी और एक नए चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 592.30 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। 13 शासकीय नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना के लिए स्वीकृति दी है। स्वास्थ्य संस्थानों के लिए 46,491 नए पद सृजित किए गए हैं। यह कदम न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा। प्रदेश में दो वर्षों से लंबित लगभग एक लाख नर्सिंग छात्र-छात्राओं की परीक्षा इस वर्ष आयोजित की गई, जिससे उनके भविष्य को लेकर उपजे संदेह का निराकरण हुआ है।

नरेन्द्र शिवाजी पटेल
(लेखक- मध्यप्रदेश सरकार में राज्यमंत्री, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग हैं।)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है। इस सपने को साकार करने में स्वास्थ्य क्षेत्र की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि एक स्वस्थ राष्ट्र ही समृद्ध और शक्तिशाली राष्ट्र बन सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार, तकनीकी विकास और गुणवत्ता सुधार के प्रति प्रतिबद्धता के साथ भारत वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में राज्य ने लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां एक ओर प्रदेश में वर्ष-2003 तक सिर्फ 5 शासकीय मेडिकल कॉलेज थे। अब 17 मेडिकल कॉलेज संचालित है। हाल ही में 3 नये मेडिकल कॉलेज नीमच, मंदसौर, सिवनी का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री मोदी के कर कमलों से संपन्न हुआ है। आगामी 2 वर्षों 8 शासकीय और 12 मेडिकल कॉलेज PPP मोड पर प्रारंभ करने की योजना प्रक्रियाधीन है। राज्य सरकार प्रत्येक जिले के लिए एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस दिशा में हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं।

पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की दूरदर्शिता और दृढ़-संकल्प ने प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं। उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी और एक नए चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 592.30 करोड़ रूपये का प्रावधान किया है। 13 शासकीय नर्सिंग महाविद्यालयों की स्थापना के लिए स्वीकृति दी है। स्वास्थ्य संस्थानों के लिए 46,491 नए पद सृजित किए गए हैं। यह कदम न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा। प्रदेश में दो वर्षों से लंबित लगभग एक लाख नर्सिंग छात्र-छात्राओं की परीक्षा इस वर्ष आयोजित की गई, जिससे उनके भविष्य को लेकर उपजे संदेह का निराकरण हुआ है।

प्रदेश के हर नागरिक को उत्तम स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना मुख्यमंत्री की प्राथमिकता रही है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री ने आयुष्मान योजना का विस्तार करते हुए 70 वर्ष से अधिक के नागरिकों को योजना में लाभ की पात्रता प्रदान की है, वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने पीएम एयर एंबुलेंस सेवा के माध्यम से राज्य के गंभीर रोगियों और दुर्घटना पीड़ितों को त्वरित और उच्च चिकित्सा सहायता प्रदान की है। हेली एंबुलेंस और फिक्स्ड विंग फ्लाइंग एंबुलेंस की सेवाएं राज्य के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को मजबूत कर रही हैं। मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत निरामयम योजना के अंतर्गत 4.02 करोड़ कार्ड जारी किए गए हैं। लगभग 5599 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। प्रदेश के सभी जिला अस्पतालों में प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र भी खोले गए हैं, जिससे न्यूनतम दर पर मरीजों को दवा उपलब्ध हो सकेगी।

सरकार ने गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल के बाल चिकित्सा विभाग में अपना पहला राज्य नवजात और बाल चिकित्सा संसाधन केंद्र स्थापित किया। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाया गया है। पीएम-जनमन अभियान के तहत 74 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स संचालित की गईं, जो दूर-दराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

इसी क्रम में देश में पहली बार किसी शासकीय चिकित्सालय में ब्लड कैंसर के मरीजों के लिए ष्टक्र- ञ-ष्टद्गद्यद्य ञ्द्धद्गह्म्ड्डश्च4 की सुविधा इंदौर के महाराजा यशवंतराव होल्कर चिकित्सा महाविद्यालय में उपलब्ध करवाई है। तो वहीं हृदय रोग की आधुनिक उपचार सेवा हेतु भोपाल के जय प्रकाश जिला चिकित्सालय में 30 बिस्तरीय कार्डियक कैथ लैब की स्थापना की जा रही है।

यह भी महत्वपूर्ण पहल है कि एम.आर.आई. सेवाओं को व्यवस्थित करते हुए प्रदेश के 5 संभागीय मुख्यालयों के जिला चिकित्सालयों (भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर एवं उज्जैन) में एम.आर.आई. मशीनों की स्थापना की जा रही है।

मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग में दूसरे स्थान पर है और इसी रोग से ग्रसित वयस्क मरीजों को गंभीर संक्रमणों से बचाने के लिए टीकाकरण की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है। गर्भवती महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता रखते हुए राज्य सरकार ने जननी शिशु सुरक्षा योजना के अंतर्गत उन जिलों में जहाँ गर्भवती महिलाओं के लिए सोनोग्राफी सुविधा उपलब्ध नहीं थी, अब निसोनोग्राफी सेंटरों के माध्यम से नि:शुल्क सोनोग्राफी प्रदान की है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग ने तकनीक और नवाचार को अपनाते हुए प्रदेश को नई दिशा दी है। उनकी दूरदर्शिता और प्रयासों का परिणाम है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं न केवल तकनीकी रूप से उन्नत हुई हैं, बल्कि हर नागरिक तक पहुंचने में भी सक्षम हो रही हैं। प्रधानमंत्री के विकसित भारत के लक्ष्य के साथ कदम से कदम मिलाते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए जो कार्य किए हैं, वे आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश को एक आदर्श राज्य के रूप में स्थापित करेंगे।

प्रशंसा, निंदा और तानों को सहज भाव में लेना मंजिल तक पहुंचने का मंत्र-यह तीनों ही क्षणिक प्रतिक्रिया मात्र

साथियों बात अगर हम तानां मारने या तंज कसने कीपरिभाषा की करें तो, ताना मारना या तंज कस नें का मतलब होता है उल्टी बात या ऐसी बात बोलना जिससे सुनने वाले को बुरा लगे. जब कोई किसी का उपहास उड़ाता है तब वह तंज कसता है। जब कोई किसी को पसन्द नही करता है या उससे जलता है । तो इस तरह से उस व्यक्ति को अपने आप से निचा दिखाने के लिए या उसे दुखी करने या चिडाने के लिए कुछ ऐसी वैसी बात कह देते है जो स्पष्ट रूप से अर्थ प्रकट ???नही करती है फिर भी उसका अर्थ चिडाने या दुखी करने जैसे कार्यो के लिए निकलता है । इस तरह की बात करने को व्यंग्य करना कहा जाता है,और इसी तरह से जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के लिए किसी भी कारण से व्यंग्य करता है तो इसे ताना मारना कहा जाता है।

- किशन सनमुखदास भावनानीं

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चलने वाले सेट सत्र में 26 जनवरी 2025 को संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर संसद में चर्चा 13-14 दिसंबर 2024 को संविधान पर चर्चा हुई जिसको मैंने चैनलों के माध्यम से देख के प्रथम प्रथम संविधान संशोधन से लेकर अनेक बातें पक्ष विपक्ष द्वारा कही गई जो एक दूसरे के ऊपर शाब्दिक बानो तानों तंज का प्रयोग कर गया जिसमें दोनों बचाओ मुद्रा में नजर आए इसलिए मेरा मानना है कि प्रशंसा, निंदा और तानों को सहज भाव में लेना मंजिल तक पहुंचने का मंत्र है। बता दें मानवीय स्वभाव की यह एक स्वाभाविक विशेषता रही है कि हम दूसरों की प्रतिक्रिया पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं, यही हमारी आधुनिक डिजिटल युग में कमजोरी ज्ञात पड़ती है क्योंकि आज के प्रतियोगिता युग में अपने प्रतिद्वंदी को शाब्दिक पटखनी देने के लिए तानों तंज जैसे मजबूत कानूनी शेड प्राप्त हथियार और कोई नहीं है क्योंकि तानों और तंज से बिना का नाम लिए शाब्दिक बाण छोड़े जाते हैं और तीर ठीक निशाने पर लगा और लक्षित व्यक्ति या पार्टी अवसाद में आई तो लक्ष्य भेदी व्यक्ति का मिशन सफल हो गया समझो ! और ताना या तंज ग्रहण करने वाले हम अवसाद में आ जाएंगे याने नुकसान हमें ही होगा। तानों, तंज की धमाचौकड़ी राजनीतिक व्यापारिक व्यवसायिक सामाजिक घरेलू और व्यक्तिगत स्तरपर भी खूब प्रचलित होते जा रही है क्योंकि इसमें नतो कोई टैक्स है और न ही कोई कानूनी झमेला !बस कर दिया !हालांकि आजकल हम मीडिया के माध्यम से राजनीतिक क्षेत्र में इसका उपयोग, प्रयोग होते हुए अधिक देख रहे हैं इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तानों तंज पर चर्चा कर उसका मुकाबला करने पर विचार करेंगे।

साथियों बात अगर हम तानां मारने या तंज कसने कीपरिभाषा की करें तो, ताना मारना या तंज कस नें का मतलब होता है उल्टी बात या ऐसी बात बोलना जिससे सुनने वाले को बुरा लगे. जब कोई किसी का उपहास उड़ाता है तब वह तंज कसता है। जब कोई किसी को पसन्द नही करता है या उससे जलता है । तो इस तरह से उस व्यक्ति को अपने आप से निचा दिखाने के लिए या उसे दुखी करने या चिडाने के लिए कुछ ऐसी वैसी बात कह देते है जो स्पष्ट रूप से अर्थ प्रकट ???नही करती है फिर भी उसका अर्थ चिडाने या दुखी करने जैसे कार्यो के लिए निकलता है ?? इस तरह की बात करने को व्यंग्य करना कहा जाता है,और इसी तरह से जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के लिए किसी भी कारण से व्यंग्य करता है तो इसे ताना मारना कहा जाता है। व्यंग्य एक ऐसी विधा है जिसमें बातें कटाक्ष और हास्य का पुट लिये इशारों- इशारों में होती हैं। ग़ज़ल और शायरी इशारों की ही विधा है। किसी घटना पर रचनात्मक इशारा करना एक विधा है, लेकिन शायरी में व्यंग्य बड़े तरीके से किया गया है।

साथियों बात अगर हम तंज कसने के नमूनों की करें तो, महान रचनाकर्ताओं नें खूब लिखा है, लीडरों की धूम है और फॉलोवर कोई नहीं, सब तो जेनरेल हैं यहाँ आख़िर सिपाही कौन है, कोई हिन्दू कोई मुस्लिम कोई ईसाई है सब ने इंसान न बनने की क़सम खाई है , कोट और पतलून जब पहना तो मिस्टर बन गया, जब कोई तक़रीर की जलसे में लीडर बन गया , कब उन आँखों का सामना न हुआ, तीर जिन का कभी ख़ता न हुआ, 56 इंच चौड़ा सीना, 15 लाख बैंक खाते में जमा करना इत्यादि। साथियों बात अगर हम मानवीय स्वभाव की करें तो, यह एक बहुत ही स्वभाविक विशेषता है मानवीय स्वभाव की, की हम दूसरों की प्रतिक्रिया पर निर्भर रहते है, अगर कोई हमारी प्रशंसा करता है तो, हम जिस बात के लिए हमारी प्रशंसा की है, उसको दोहराते है, जैसे कि किसी ने हमें सुंदर कहा तो, हम एक बार ज़रूर प्रशंसा करने वाले की नज़रों से आइने मैं देखते है, क्योंकि हम किसी की भी प्रशंसा को सच मानते है , और उसे देख कर या वैसा व्यवहार कर सत्यापित करते है। ठीक यही व्यवहार हम किसी के नकारात्मक व्यवहार के संदर्भ मैं भी करते है। कोई हमारी निंदा करे या ताने मारे या कटाक्ष करे तो हम तुरंत ही प्रतिक्रिया देते है, या तो ग़ुस्से मैं जवाब दे कर या विवाद कर के, लेकिन कई लोग अपने प्रति नकारात्मक प्रतिक्रिया का जवाब नहीं दे पाते है वे लोग अपना आत्म विश्वास खो कर अवसादग्रस्त हो जाते है।

साथियों इन सब से निपटने के लिए सबसे ज़रूरी है, हम कठपुतली न बने , प्रशंसा व निंदा दोनो को ही सहज भाव में ले , ये दोनो ही क्षणीक प्रतिक्रिया मात्र होती है। अगर हम दूसरों के व्यवहार से आहत होते है और यह बात जो हमको परेशान करना चाहते है,ताने मारते है तो हम उनके लिए ख़ुश होने के अवसर मुहेया करवा रहे है। हम उनकी मर्ज़ी और राय से जी रहे है। अगर कोई बार बार इस तरह का व्यवहार कर रहा है तो यह ज़रूर जानने की कोशिश करना चाहिए, कि आख़िर वो हमसे इस तरह का व्यवहार क्यों कर रहा है, ईर्ष्या,द्वेष या परपीड़ा में ख़ुशी ढूँढने का स्वभाव तो नहीं है , तो हम उन्हें ख़ुश होने का मोक़ा न दें , ख़ुद ही विश्लेषण करें, और जहाँ तक हो सके ऐसे लोगों की उपेक्षा करे,और उनकी किसी भी बात को महत्व न दे, हमारे इस तरह के व्यवहार से शायद कुछ दिनो बाद ताने मारने वाले लोग ख़ुद अवसादग्रस्त हो जाएंगे।

ईश्वर की चक्की जब चलती है तो वह पाप व पापी को पीस कर रख देती है

- नरेन्द्र भारती

ईश्वर की चक्की जब चलती है तो वह पाप व पापी को पीस कर रख देती है । इन्सानियत व मानवता सबसे बड़ा धर्म है ।कहते हैं दुनिया में कोई ऐसी शक्ति नहीं है जो इनसान को गिरा सके ,इनसान ,इनसान द्वारा ही गिराया जाता है । दुनिया में ऐसा नहीं है कि सभी लोग बुरे हैं ,इस जगत में अच्छे-बुरे लोगों का संतुलन है ।आज संस्कारों का चीरहरण हो रहा है ,खूनी रिश्ते खून बहा रहे हैं । मानवीय त्रासदी को रोकना होगा। इंसानियत अपनाओ अमर हो जाओगे हैवानियत छोड़ दो इंसान बनो हैवान मत बनो। इंसानियत सबसे बड़ा धर्म है बेशक ईश्वर ने संसार में करोडों जीव जन्तु बनाए ,लेकिन इनसान सबसे अहम कृति बनाई ।लेकिन ईश्वर की यह कृति पथभ्रष्ट हो रही है ।आज सड़को पर आदमी तड़फ-तड़फ कर मर रहा है । इनसान पशु से भी बदतर होता जा रहा है ।क्योकि यदि पशु को एक जगह खूंटे से बांध दिया जाए,तो वह अपने आप को उसी अवस्था में ढाल लेता है ।जबकि मानव परिर्स्थितियों के मुताबिक गिरगिट की तरह रंग बदलता है।आज पैसे का बोलबाला है ।ईमानदारी कराह रही है ।अच्छाई बिलख रही है ,भाईचारा ,सहयोग,मदद एक अंधेरे कमरे में सिमट गये हैं ।आत्मा सिसक रही है ।वर्तमान में अच्छे व संस्कारवान मनुष्य की कोई गिनती नहीं है ।चोर उच्चकों ,गुंडे ,मवालिओं का आदर सत्कार किया जाता है यह समाज के घातक है। आज हंस भीड में खोते जा रहे हैं,कौओं को मंच मिल रहा है । हजारों कंस पैदा हो रहे हैं एक कृष्ण कुछ नहीं कर सकता ।आज कतरे भी खुद को दरिया समझने लगे है लेकिन समुद्र का अपना आस्तित्व है ।मानव आज दानव बनता जा रहा है ।संवेदनाएं दम तोड रही हैं ।मानव आज लापरवाही से जंगलों में आग लगा रहा है उस आग में हजारों जीव-जन्तु जलकर राख हो रहे हैं ।जंगली जानवर शहरों की ओर भाग रहे हैं ,जबकि सदियां गवाह है कि शहरों व आबादी वाले इलाकों में कभी नहीं आते थे ,मगर जब मानव ने जानवरों का भोजन खत्म कर दिया ।जीव-जन्तओं को काट खाया तो जंगली जानवर भूख मिटाने के लिए आबादी का ही रूख करेंगें ।नरभक्षी बनेगें ।आज संवेदनशीलता खत्म होती जा रही है ।आज मानव मशीन बन गया है निजी स्वार्थो के आगे अंधा हो.चुका है।अपने ऐशो आराम में मस्त है ।दुनिया से कोई लेना देना नहीं है ।संस्कारों का जनाजा निकाला जा रहा है । मर्यादाएं भंग हो रही हैं ।मानव सेवा परम धर्म है ।आज लोग भूखे प्यासे मर रहे हैं । दो जून की रोटी के लिए तरस रहे हैं ।भूखमरी इतनी है कि शहरों में आदमी व कुते लोगों की फैंकी हुई जूठन तक एक साथ खाते हैं।आज मानव भगवान को न मानकर मानव निर्मित तथाकथित भगवानों को मान रहा है ।आज मानव इतना गिर चुका है कि रिश्ते नाते भूल चुका है ।रिश्तों में संक्रमण बढता जा रहा है ।मानव धरती के लिए खून कर रहा है ।कई पीढियां गुजर गई मगर आज तक न तो धरती किसी के साथ गई न जाएगी ।फिर यह नफरत व दंगा फसाद क्यों हो रहा है ।मानव ,मानव से भेदभाव रि रहा है ।उंच-नीच का तांडव हो रहा है ।खून का रंग एक है फिर भी यह भेदभाव क्यों ।यह बहुत गहरी खाई है इसे पाटना सबसे बडा धर्म है ।आज लोग बिलासिता पर हजारों -लाखों रूपये पानी की तरह बहा देते हैं ,मगर किसी भूखे को एक रोटी नहीं खिला सकते ।शराब पर पैसा उडा रहे हैं ।अनैतिक कार्यो से पैसा कमा रहे हैं ।पैसा पीर हो गया है ।भूखे को यदि रोटी दे दी जाए तो भूखे की आत्मा की तृप्ति देखकर जो आनन्द प्राप्त होगा वह सच्चा सुख है । आज प्रकृति से छेडछाड हो रही है ।प्रकृति के बिना मानव प्रगति नहीं कर सकता ।प्रकृति एक ऐसी देवी है जो भेदभाव नहीं करती ,प्रत्येक मानव को बराबर धूप व हवा दे रही है ।मानव कृतध्न बनता जा रहा है ।मंदिरों में दुष्कर्म हो रहे है ।

खास बात

सीपीआई-सीपीएम और सोरोस

सीपीआई और सीपीएम में गठबंधन है। सीपीआई विपक्षी गठबंधन इंडिया में शामिल है। सीपीएम का केरल में कांग्रेस के साथ सीधा मुकाबला है ।इस बार शीतकालीन सत्र में दिलचस्प राजनीति देखने को मिल रही है। संसद में अदानी मसले को लेकर चर्चा हो। संसद के दोनों सदनों की कार्रवाई ठप्प है। भारतीय जनता पार्टी ने अदानी के मुकाबले सोरोस को खड़ा कर दिया है। सीपीआई ने सोरस को लेकर चर्चा का विरोध किया है। वहीं सीपीएम ने सोरोस मामले में चर्चा करने का विरोध नहीं किया। केरल में 2026 में चुनाव होना है। हर 5 साल में केरल में सत्ता बदलने का इतिहास है ।सीपीएम ने लगातार दूसरी बार चुनाव जीतकर एक नया इतिहास रचा था। इस बार कांग्रेस के मुकाबले समर्थन की जरूरत होगी। निश्चित रूप से संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस का विरोध करने पर 2026 में भाजपा सीपीएम की मदद करेगी। राजनीति में अब विचारधारा का कोई लेना-देना नहीं रहा।

संविधान में सेकुलर बाजू में बुलडोजर

राजनीतिक दल के नेता दिनदहाड़े किस तरह से संविधान की हत्या कर रहे हैं। इसको अब बताने की जरूरत नहीं रह गई है ।लोग देख रहे हैं, उसके बाद भी अंधे बने हुए हैं। बंटोगे तो कटोगे, डीएनए और हिंदू- मुस्लिम को लेकर एक दूसरे के बीच कटोगे और बटोगे के बीच संसद के अंदर संविधान की बात करना और साथ में बुलडोजर लेकर चलना, यह वर्तमान समय में ही संभव है। भारत में रहना है, तो जय श्री राम कहना होगा। पूर्वजों के धर्म स्थान को खाली कराएंगे। मुसलमानों के धर्मस्थल गिराएंगे। इसके बाद भी संविधान जिंदा है ।बुलडोजर भी चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश भी बुलडोजर को नहीं रोक पा रहा है ।अब तो रातों-रात जमीन के अंदर से मंदिर भी निकलने लगे हैं। जो हिंदू शौर्य की गाथा कह रहे हैं। यही कलयुग का सच है।

डोली नहीं पहुंच पाए राज्यसभा

हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडोली को भरोसा था। उन्हें राज्यसभा की जो एक सीट खाली हुई है। उस पर वह चुने जाएंगे। विधानसभा चुनाव में उन्होंने बलिदान किया था। अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा। हरियाणा में पार्टी को ऐतिहासिक जीत दिला दी। जब राज्यसभा की बारी आई, तो बडोली का नाम कट गया। उनकी जगह पार्टी ने रेखा शर्मा जो राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रह चुकी हैं। उन्हें राज्यसभा भेजा जा रहा है। दो शर्मा हरियाणा से राज्यसभा में जब पहुंच जाएंगे। तो तीसरे ब्राह्मण का जाना संभव नहीं है। विधान परिषद भी हरियाणा में नहीं है। अब प्रदेश अध्यक्ष बडोली को 5 साल तक तपस्या करनी होगी। तपस्या सफल हो गई, भाग्य ने साथ दे दिया। तो भी इसके लिए 5 साल का इंतजार तो करना ही होगा। इसी को भाग्य कहते हैं। इसकी समझ उनमें अब पैदा हो गई है।

शर्मिला और जगनमोहन रेड्डी के बीच बढ़ी तकरार

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की मुश्किलें आने वाले दिनों में और भी बढ़ सकती हैं ।उनका पारिवारिक विवाद चरम पर पहुंच गया है। उनकी बहन,कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष शर्मिला उनके लिए नई-नई मुसीबत पैदा कर रही हैं ।उन्होंने मांग की है, अदानी रिश्वत मामले में जगन मोहन की जांच होनी चाहिए।

राशिफल

शुभ संवत 2081, शाके 1946, सौम्य गोष्ठ,पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पश्चिम तिथि प्रतिपदा सोमवासरे 15/42 आद्रा नक्षत्रे 49/28 रात्रि 2/29 शुक्ल योगे 46/0 कौलव करणे 15/42 मिथुन की चंद्रमा, धान्य छेदन मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, कुशलवक्ता, शासक, प्रशासक, शिक्षक, शिक्षाविद, शिक्षा शास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल तथा सोना चांदी, हीरा, मोती का व्यापारी, खनिज संपदा वाला, डायमंड, माइनिंग, चूना, छुई का व्यापारी, दूध की डेरी वाला, बड़ा उद्योगी, बंधु सहयोगी तथा पार्टी संगठक होगा।

मेष राशि : धन का व्यय संभव ह :, तनावपूर्ण वार्ता से बचिएगा, कार्य का ध्यान अवश्य दें।

वृष राशि : अधिकारियों के समर्थन से सफलता, कार्य कुशलता से संतोष होवे तथा कार्य करें।

मिथुन राशि : चिन्ताएं कम हो, सफलता के साधन जुटाए तथा शुभ समाचार अवश्य ही प्राप्त होगा।

कर्क राशि : बड़े-बड़े लोगों से मेल मिलाप होगा तथा सुख समृद्धि के साधन अवश्य ही बनेंगे।

सिंह राशि : स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी तथा कार्य गति उत्तम होगी।

कन्या राशि : प्रतिष्ठा बाल-बाल बचें, संघर्ष से अधिकारियों का भाग्य तथा साथ अवश्य प्राप्त होगा।

तुला राशि : कुटुम्ब और धन की चिन्ता बनी रहें, परिश्रम से सोचे कार्य अवश्य ही हो जाएगे।

वृश्चिक राशि : प्रत्येक कार्य में बाधा क्लेश, स्थिति सामर्थ्य के योग्य अवश्य ही बनेगी।

धनु राशि : भावनाएं मन को विक्षुब्ध रखे, द :निक कार्यगति मंद रहे, परिश्रम से कार्य अवश्य सफल होगे।

मकर राशि : तनाव क्लेश व अशांति, धन का व्यय, मानसिक खिन्नता अवश्य ही बन सकेगी।

कुंभ राशि : कार्य कुशलता से संतोष, व्यावसायिक समृद्धि के साधन बनेंगे, कार्य बनेंगे।

मीन राशि : कुटुम्ब के कार्यों में समय बीतेगा तथा हर्षप्रद समाचार अवश्य ही मिलेगे।

- पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

16 दिसम्बर 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

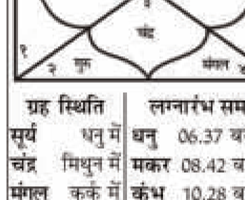

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	धनु में	धनु	06.37 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मकर	08.42 बजे से
मंगल	कर्क में	कुंभ	10.28 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.01 बजे से
गुरु	वृष में	मेष	13.32 बजे से
शुक्र	मकर में	वृष	15.12 बजे से
शनि	कुंभ में	मिथुन	17.10 बजे से
राहु	मीन में	कर्क	19.23 बजे से
केतु	कन्या में	सिंह	21.39 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कन्या	23.51 बजे से
		तुला	02.02 बजे से
		वृश्चिक	04.17 ब.से

सोमवार 2024 वर्ष का 351 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष)
पक्ष कृष्ण
तिथि प्रतिपदा 12.28 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आर्द्रा 01.14 बजे रात्र को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 23.22 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 12.28 बजे तदनन्तर तैतिल 23.38 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 14.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 23° 19'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872195
जूलियन दिन 2460660.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 13

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

एनआईए व एटीएस से मुफ्ती खालिद को छुड़ाने वाले बलवाइयों पर कसा शिकंजा

झांसी। बीते रोज विदेशों से ऑनलाइन फंडिंग और ऑनलाइन क्लासेस चलाने के मामले में एनआईए और एटीएस की टीम ने कोतवाली क्षेत्र स्थित सुपर कॉलोनी निवासी मुफ्ती को पूछताछ कर हिरासत में लिया था। इस दौरान वहां जुटी भीड़ पुलिस बल, एनआईए और एटीएस के साथ अभद्रता, धक्का-मुक्की कर मुफ्ती को हिरासत से छुड़ा ले गई थी। इस घटना में पुलिस ने 11 लोगों को नामजद करते हुए एक सौ अज्ञात के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। इस मुकदमे में पुलिस ने आज एक नामजद आरोपित परवेज को गिरफ्तार कर लिया है। परवेज की गिरफ्तारी के बाद बलवा और अभद्रता करने वाले अन्य आरोपित फरार हैं। इधर, पुलिस ने आरोपितों की सरगर्मी से तलाश शुरू करते हुए जीवन शाह तिराहे के पास से आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। गौरतलब है कि देर रात एसएसपी सुधा सिंह ने बयान जारी करते हुए कहा था कि मुफ्ती प्रकरण में हंगामा, बलवा करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सभी को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं, बीते रोज एसएसपी सुधा सिंह ने मुफ्ती खालिद के घर का जायजा लिया था, हालांकि उसके घर पर ताला लगा था। एसएसपी ने उस फातिमा मस्जिद का जायजा भी लिया था जहां मुफ्ती को भीड़ छुड़ाने के बाद छुपाने ले गई थी।

बांग्लादेश में मंदिर और दुकानों में तोड़ फोड़ करने वाले चार आरोपी गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश में मंदिर, घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। 3 दिसंबर को सुनामगंज जिले के रहने वाले आकाश दास की एक फेसबुक पोस्ट से इलाके में तनाव फैल गया था। बाद में दास ने पोस्ट हटा ली थी लेकिन यह पोस्ट तेजी से फैल गई जिसने हिंसा भड़क गई थी। एसपी, डीसी, सेना और पुलिस ने स्थिति को किसी तरह नियंत्रण में किया थ। पुलिस ने घटना में शामिल आरोपियों की पहचान कर ली थी। पुलिस ने दास को गिरफ्तार कर लिया था लेकिन मॉब लिंचिंग जैसी घटना से बचने के लिए दास को दूसरे स्टेशन में शिफ्ट कर दिया था। इस हिंसा के चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसमें अलीम हुसैन, सुल्तान अहमद राजू, इमरान हुसैन और शाहजहां हुसैन शामिल हैं। बांग्लादेश ने हसीना के सत्ता से हटने के बाद हिंदुओं के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसा की 88 घटनाओं को स्वीकार किया था। भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव तब आया जब अपदस्थ पीएम शेख हसीना के 5 अगस्त को छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर चले जाने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार सत्ता में आई। हाल के हफ्तों में हिंदुओं पर लगातार हमलों और खासकर हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की हाल ही में गिरफ्तारी के बाद संबंध और भी खराब हो गए। चिन्मय कृष्ण दास इस्कॉन बांग्लादेश के पूर्व सदस्य हैं और अब बांग्लादेश सम्मिलिता सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता हैं।

पंजाब : ड्रग व हथियारों की अंतरराष्ट्रीय सप्लाई में आठ गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने राज्य के सीमावर्ती जिला अमृतसर में अभियान चलाकर अंतरराष्ट्रीय ड्रग व हथियारों की तस्करी के आरोप में आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से भारी मात्रा में हेरोइन, हथियार और ड्रग मनी बरामद की है। पुलिस सभी आरोपियों की पृष्ठभूमि खंगाल रही है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने 4.5 किलोग्राम हेरोइन, दो ग्लॉक पिस्तौल (9 एमएम), दो पिस्तौल (30 बोर), एक पिस्तौल (32 बोर), एक जगिना पिस्तौल (30 बोर), 16 जिंदा कारतूस और 1.5 लाख की नकदी बरामद की गई है। इस मामले में थाने घरिंडा में एनडीपीएस और आर्म्स एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि इस ऑपरेशन के तहत न केवल ड्रग्स और हथियारों की तस्करी पर बड़ा प्रहार किया गया है, बल्कि इनकी आपूर्ति से जुड़े पिछले और संभावित नेटवर्क का भी पता लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी और हथियारों की सप्लाई में सक्रिय था। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में नशे और हथियारों की तस्करी में शामिल अन्य लिंक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

ग्रीस में शरणार्थियों से भरी नांव डूबी, पांच की मौत, कई लापता, रेस्क्यू जारी

एथेंस। ग्रीस में शरणार्थियों को ले जा रही नांव डूबने से पांच लोगों की मौत हो गई कई लोग लापता हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट में तट रक्षक बल ने बताया कि चार खोज एवं बचाव अभियानों में 200 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। यह अभियान शुक्रवार देर रात शुरू हुआ जो अब भी जारी है। क्रेते के दक्षिण में गावडोस द्वीप के पास नांव डूबने की अलग-अलग घटनाओं के बारे में सूचना मिलने के बाद तीन अभियान शुरू किए गए थे जिनमें से एक अब भी जारी है और चौथा अभियान दक्षिणी पेलोपोनिज क्षेत्र में शुरू किया गया। तट रक्षक बल ने बताया कि तलाश अभियान में 39 लोगों को बचा लिया गया है। इस दौरान जलक्षेत्र से पांच शव बरामद किए गए हैं। सुरक्षित बचाए गए लोगों ने बताया कि उनकी नांव में जरुरत से ज्यादा लोग सवार थे। तट रक्षक बल ने बताया कि कुल नौ जहाज शनिवार को भी बचाव कार्य में लगे हुए थे। साथ ही दो हेलीकॉप्टर की भी मदद ली जा रही है। गावडोस के तट पर अन्य दो अभियानों में 47 और 89 लोगों को बचाया गया है। ये अभियान पूरे हो चुके हैं। वहीं पेलोपोनिज से 28 शरणार्थियों को अब तक बचाया गया है।

विशाल शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ संत सम्मेलन

अयोध्या। विशाल शोभायात्रा के साथ शुरू हुआ संत सम्मेलन,पहले दिन बतायी भागवत कथा की महिला।

नोएडा प्राधिकरण के पूर्व ओएसडी रविंद्र यादव के ठिकानों पर छापेमारी के बाद बड़ा खुलासा, करोड़ों की संपत्ति मिली

गौतमबुद्धनगर ■ एजेंसी

नोएडा विकास प्राधिकरण के पूर्व विशेषाधिकारी (ओएसडी) रविंद्र सिंह यादव के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में शनिवार को विजिलेंस की टीम ने उनके नोएडा स्थित आवास और इटावा के एक स्कूल पर छापेमारी के बाद रविवार को बड़ा खुलासा किया है। इस दौरान कई अहम दस्तावेज और करोड़ों की संपत्ति के प्रमाण जब्त किए हैं। पूर्व में चल रही विजिलेंस जांच में शनिवार को बड़ा खुलासा हुआ था।

एसपी विजिलेंस के मुताबिक, जांच में यह सामने आया है कि रवींद्र सिंह यादव ने एक जनवरी 2005 से 31 दिसंबर 2018 तक 94.49 लाख रुपये की वैध आय अर्जित की, जबकि इस दौरान उन्होंने 2.44 करोड़ रुपये खर्च किए। इसका मतलब है कि उनके खर्च उनकी आय से करीब 1.5 करोड़ रुपये अधिक रहे। रविंद्र यादव अतिरिक्त

संपत्ति के स्रोत का कोई वैध विवरण नहीं दे सके। इससे पहले विजिलेंस की 18 सदस्यीय टीम ने शनिवार को नोएडा सेक्टर-47 में यादव के तीन मंजिला आवास और इटावा के तलोरा नगर स्थित स्कूल पर कार्रवाई की। नोएडा स्थित आवास की अनुमानित बाजार कीमत 16 करोड़ रुपये आंकी गई है। इटावा के स्कूल परिसर की वर्तमान कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है, जिसमें स्कूल के सभी तकनीकी उपकरण और अन्य संसाधनों की कीमत 2 करोड़ रुपये आंकी गई है। जांच में पता चला कि इटावा स्थित स्कूल का संचालन यादव के बेटे द्वारा किया जा रहा है। स्कूल पूरी तरह से अवैध रूप से निर्मित है और इसे बिना किसी वैध स्वीकृति के संचालित किया जा रहा है। स्कूल के संचालन में 10 बसों का उपयोग हो रहा है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.04 करोड़ रुपये है। साथ ही, यादव ने मेरठ और नोएडा में एक दर्जन से अधिक प्लॉट खरीद रखे हैं, जिनकी जांच जारी है। विजिलेंस की टीम ने यह भी खुलासा किया है कि यादव ने अपने कार्यकाल के दौरान नोएडा विकास प्राधिकरण में भूखंड आवंटन और सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए।

सेवा सम्मान कार्यक्रम को मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया

सेवा भारती ने 25 विभूतियों को सेवा सम्मान से सम्मानित किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का कहना है कि सेवाभारती समाज में उपेक्षित एवं वंचित वर्गों के उत्थान के जिस कार्य में लगी है उससे निसंदेह भारत को पुन: विश्वगुरू बनने और समावेशी भारत बनाने में सहयोग प्राप्त होगा।

डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित सेवा सम्मान कार्यक्रम में शनिवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। जय भारत मारुति लि. (जेबीएम) के सीएमडी सुरेन्द्र आर्य ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकारों के साथ राष्ट्र के जागृत लोगों को भी समाज के समावेशी विकास में कार्य करना पड़ेगा। एकात्म मानवतावाद एवं अंत्योत्य के जिन विचारों के साथ सेवा भारती के कार्यकर्ता कार्य कर रहे हैं वो निसंदेह सराहनीय है। राजनाथ सिंह ने सभी सम्मान प्राप्त विभूतियों को बधाई दी।

समाज में असमानता की खाई को कम किया जा सकता है

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने कहा कि सेवा ही वो कार्य है जिससे समाज में असमानता की खाई को कम किया जा सकता है। आलोक कुमार जी शनिवार को नई दिल्ली में सेवा भारती द्वारा आयोजित सेवा सम्मान 2024 कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

अगले वर्ष 4 गुना ज्यादा लोगों को सेवा सम्मान देना चाहिए

आलोक कुमार ने कहा कि सेवा ही वो कार्य है जिससे समाज में असमानता की खाई को कम किया जा सकता है। ये एक ईश्वरीय कार्य है जिसमें समाज के हर वर्ग को जुड़ना चाहिए। सेवा भारती को अगले वर्ष 4 गुना ज्यादा लोगों को सेवा सम्मान देना चाहिए, ताकि सेवाभावियों का उत्साह कई गुणा बढ़ जाए।

उन्होंने कहा कि पुराणों में कहा गया है कि परोपकार करना पुण्य है और दूसरों को परेशान करना पाप है। जो लोग किसी चीज से वंचित हैं, उसे प्राप्त करवाना पुण्य का काम है। सेवा भारती का मानना है कि व्यक्तिगत स्तर पर सेवा की जानी चा?हिए और इसमें समरसता का भाव होना चाहिए।

10 श्रेणियों में 25 लोगों को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया

सेवा भारती द्वारा सेवा सम्मान के माध्यम से ऐसे महानुभावों एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाता है जो समाज सेवा को अपने जीवन का ध्येय बना चुके है। इस वर्ष 10 श्रेणियों में 25 लोगों को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

इन विभूतिदयोंम को सेवा सम्मान से किया सम्मानित

जिन विभूतियों को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया उनमें बद्री भगत झण्डेवाला टेम्पल सोसाइटी एवं स्व. सुभाष गुप्ता (मरणोपरांत) को सेवा रत्न से सम्मानित किया गया।

यशपाल गुप्ता, वेद कुमार वढ़ेरा, तुषार गुप्ता, सरदार हरमनजीत सिंह, अजय गुप्ता, पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड, सत्यभूषण जैन, डॉ. संजय सचदेवा, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, साहिल मेंदीरत्ता, सान्या मेंदीरत्ता, संजय दत्ता, सीमा गुप्ता, सौरभ गर्ग, जादूगर सम्राट शंकर, बजरंग लाल अग्रवाल, गोपाल वर्मा, राकेश गुप्ता, संजीव मोंघा, सुभाष चंदर अग्रवाल, अंजू जैन, अलका बैगानी तथा सरदार नरेन्द्र सिंह चहल को सेवा भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया।

सेवा भारती 1979 से समाज सेवा के क्षेत्र में कार्यरत

उल्लेखनीय है कि सेवा भारती समाज में विभिन्न सेवा प्रकल्पों का संचालन करने वाली संस्था है। सेवा भारती 1979 से समाज सेवा में कार्यरत है। सेवा भारती द्वारा शिक्षा, चिकित्सा, स्वरोजगार, महिला स्वावलंबन, कुष्ट निवारण, अनाथ बच्चों की देखभाल और बालवाड़ी सहित अनेक सेवा कार्य किए जा रहे है।

सेवा भारती देशभर में 1 लाख 80 हजार सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में विभिन्न स्तर पर सेवा प्रदान करती है।

शिमला में बर्फबारी की चाह में उमड़े सैलानी, होटलों में बढ़ी ऑक्यूपेंसी

शिमला ■ एजेंसी

राजधानी शिमला में इस सप्ताह के अंत में बर्फबारी की चाह में सैलानियों की भारी भीड़ देखने को मिली। यहां का एतिहासिक मॉल रोड व रिज मैदान दो दिन सैलानियों से खचाखच भरा रहा। इसके अलावा शिमला से सटे कुफरी और नारकंडा का भी सैलानियों ने रूख किया है। पिछले दिनों इन स्थलों में सीजन की पहली बर्फबारी हुई थी और अभी भी यहां बर्फ देखने को मिल रही है।

सैलानियों की आमद से शिमला के होटलों में ऑक्यूपेंसी दर में भी बढ़ोतरी देखी गई। इस सप्ताह अंत में होटलों में आक्यूपेंसी बढ़कर 80 फीसदी पहुंच गई। शहर के प्रमुख होटलों में कमरे पहले से ही बुक हो चुके हैं और सैलानियों के आने से होटल मालिकों और व्यापारियों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। खासकर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली से आने वाले सैलानियों की तादाद में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। इन राज्यों के लिए शिमला एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है, जहां सर्दियों में बर्फबारी का आनंद लिया जा सकता है। इन राज्यों के लोग शिमला की ठंडी और शांतिपूर्ण वादियों में आकर सुकून का अनुभव करने आते हैं।

इस बढ़ती सैलानियों की संख्या से होटल और रेस्टोरेंट संचालकों के चेहरे पर खुशी की लहर है। शिमला के स्थानीय पर्यटन कारोबारियों का कहना है कि इस वर्ष सैलानियों का जल्दी उमड़ना शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में और भी ज्यादा वृद्धि हो सकती है, क्योंकि दिसंबर के दूसरे सप्ताह में हुई बर्फबारी ने पर्यटकों के आकर्षण को और बढ़ा दिया है।

शिमला होटलियर एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रिंस कुकरेजा ने बताया कि होटलों में क्रिसमस और न्यू ईयर के लिए सैलानियों की एडवांस बुकिंग आ रही है। इन दिनों बर्फबारी की चाह में भारी संख्या में सैलानी शिमला पहुंचते हैं। शिमला पुलिस के मुताबिक सप्ताह में अंत के दो दिनों में करीब 18 हजार गाड़ियां शिमला शहर में दाखिल हुईं हैं। इनमें ज्यादा तादाद बाहरी राज्यों के वाहनों की रही। शिमला में इन दिनों धूप खिलने से मौसम सुहावना बना हुआ है। यहां अधिकतम तापमान 22 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा रहा है। स्थानीय मौसम केंद्र के मुताबिक आगामी एक सप्ताह तक शिमला में बर्फबारी नहीं होगी।

बेंगलुरु में आत्महत्या करने वाले इंजीनियर की अरोपी पत्नी गुरुग्राम से गिरफ्तार

गुरुग्राम ■ एजेंसी

बेंगलुरु में ससुरालियों की प्रताड़ना से परेशान होकर आत्महत्या करने वाले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्सपर्ट (एआई) इंजीनियर अतुल सुभाष (34) की आरोपित पत्नी निकिता सिंघानिया को हरियाणा के गुरुग्राम से पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। कर्नाटक पुलिस उसे बेंगलुरु लेकर चली गई। निकिता की मां व भाई को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है।

इंजीनियर अतुल सुभाष के बेंगलरू में आत्महत्या करने के बाद आरोपित पत्नी निकिता सिंघानिया और पूरा परिवार फरार हो गया था। अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए निकिता बेंगलुरू से 2141 किलोमीटर दूर हरियाणा राज्य के गुरुग्राम के सेक्टर-57 में रेल विहार फेज-2 के जेजे होम फर्निशिंग स्थित ब्लॉसम स्टेज पीजी में छीपी थी। आरोपित निकिता को तीन दिन में पेश होने के लिए बेंगलुरु पुलिस ने 13 दिसंबर को समन जारी किया था। पुलिस उसकी तलाश में जगह-जगह छापेमारी कर रही थी। बेंगलुरु पुलिस को निकिता की लोकेशन हरियाणा के गुरुग्राम की मिली। बेंगलुरु पुलिस ने गुरुग्राम

पुलिस से संपर्क किया। लोकेशन के आधार पर बेंगलुरु पुलिस ने सेक्टर-57 स्थित पीजी में छापेमारी की और आरोपित निकिता को गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई। बता दें कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एक्सपर्ट इंजीनियर अतुल सुभाष ने नौ दिसंबर 2024 को बेंगलुरु में आत्महत्या कर ली थी। इससे पूर्व अतुल 24 पन्नों का सुसाइड नोट भी लिया। साथ ही 90 मिनट का पत्नी और ससुरालियों की प्रताड़ना बयां करते एक वीडियो भी बनाया था। उसने एक चेक लिस्ट तैयार की। जिसमें उसने ससुरालीजनों व अलग रह रही पत्नी के उत्पीड़न का खुलासा किया था। अतुल सुभाष ने सुसाइड नोट में अपनी पत्नी द्वारा कानूनी लड़ाइयों को लिखा। उस पर हत्या, दहेज उत्पीड़न व अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने जैसे आरोप पत्नी की तरफ से लगाए गए हैं।

अगर आरोपी 100 साल जीवित रहता है तो 2120 में दे सकते हैं पैरोल

वाशिंगटन। अमेरिका की कोर्ट ने एक शातिर अपराधी को 100 साल की सजा सुनाई है। साथ में यह यह भी कहा गया है कि अगर वह अपराधी 100 साल तक सजा काटता है तो उसे साल 2120 में पैरोल मिल सकती है। यह घटना लास वेगास की है जहां एक जज ने 32 साल के क्रिस्टोफर मैकडॉनेल को 2020 में थैंक्सगिविंग के दौरान दो राज्यों में गोलीबारी करने के अपराध में 100 साल की सजा सुनाई है। इस गोलीबारी में नेवादा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। क्रिस्टोफर पर हत्या, हत्या का प्रयास, साजिश, अवैध रूप से बंदूक रखने से संबंधित 20 से ज्यादा आरोप लगे थे। कोर्ट ने उसे 100 साल की सजा सुनाई और कहा कि अगर वह 100 साल तक जीवित रहता है तो उसे 2120 में पैरोल पर छोड़ने पर विचार किया जाएगा। बता दें 26 नवंबर 2020 को क्रिस्टोफर उसके भाई शॉन मैकडॉनेल और शॉन की पत्नी कायले लुईस ने लास वेगास में 11 घंटे तक अंधाधुंध गोलीबारी की थी।

जॉर्डन-इजराइल ने की गुप्त बैठक, सीरिया को लेकर बना रहे प्लान

तेल अवीव ■ एजेंसी

सीरिया पर अब विद्रोहियों का कब्जा है। इजराइल भी सीरिया की जमीन पर कब्जा करना चाह रहा है। इस बीच इजराइल सीरिया के हालातों को लेकर अपने पड़ोसी मुस्लिम देश के साथ खुफिया बैठक कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने बताया कि इजराइल और जॉर्डन ने सीरिया की स्थिति पर गुप्त बातचीत की है।

बशर अल असद के पतन ने एक ऐसा देश छोड़ा है, जहां रासायनिक हथियार के भंडार और ऐसे विद्रोही गुट हैं, जो कभी अल-कायदा से जुड़े थे। इजराइली सेनाएं सीरिया में सैन्य ठिकानों पर हमला कर रही हैं और दोनों देशों के बीच के बफर जोन पर भी कब्जा कर लिया है। संयुक्त राष्ट्र में सीरियाई मिशन का कहना है कि इजराइल का कब्जा सीरिया की संप्रभुता का उल्लंघन है। सीरिया की सीमा से लगने वाले जॉर्डन और इजराइल का कहना है कि वह

अपनी सुरक्षा के लिए काम करना चाहते हैं। इसके अलावा एक इजराइली अधिकारी ने कहा कि जॉर्डन-इजराइल और सीरियाई विद्रोही समूह एचटीएस के बीच मध्यस्थ भी है। रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली अधिकारियों ने कहा कि इजराइली सुरक्षा एजेंसी शिन बेट के निदेशक और इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों ने जॉर्डन की सामान्य खुफिया सेवा के निदेशक अहम हुस्नी और जॉर्डन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों से मुलाकात की है। उन्होंने सीरिया की स्थिति और विद्रोही समूहों के साथ इजराइल और जॉर्डन दोनों की भागीदारी पर बातचीत की। अधिकारियों ने जॉर्डन के जरिए इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में सशस्त्र समूहों के लिए ईरान की ओर से हथियारों के तस्करी के बढ़ते खतरे पर चर्चा की।

आईडीएफ, शिन बेट और अमेरिका में जॉर्डन के दूतावास ने बैठक पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। पिछले दिनों में इजराइली सेना सीरिया की जमीन पर कब्जा करना शुरू कर दिया।

नेपाल-भारत व्यापार और परिवहन अंतर-सरकारी समिति की संयुक्तक बैठक

दोनों देशों के बीच वाणिज्य सचिव स्तरीय वार्ता 9-10 जनवरी को काठमांडू में

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नेपाल और भारत के बीच वाणिज्य सचिव स्तर की वार्षिक बैठक काठमांडू में होने जा रही है। नेपाल-भारत व्यापार और परिवहन अंतर-सरकारी समिति (आईजीसी) के नाम से होने वाली यह वार्षिक बैठक 9 और 10 जनवरी को होना तय हुआ है। नेपाल के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता बाबूराम अधिकारी ने बताया कि दोनों देशों के बीच वाणिज्य सचिव स्तर की आईजीसी बैठक पिछली बार दिल्ली में होने के कारण इस बार काठमांडू में होना तय हुआ है।

इस समय वाणिज्य मंत्रालय भारत के साथ वार्ता के लिए एजेंडा का मसौदा तैयार कर रहा है। मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक, संबंधित सभी पक्षों से चर्चा के बाद मसौदा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में दोनों देशों के बीच वार्ता के एजेंडे के शुरुआती मसौदे का आदान-प्रदान किया जाएगा।

मंत्रालय के प्रवक्ता अधिकारी ने बताया कि आईजीसी की बैठक में मुख्य रूप से व्यापार, परिवहन और निवेश पर केंद्रित एजेंडे पर चर्चा होगी। नेपाल के तरफ से वाणिज्यिक संधि में संशोधन पर जोर दिया जा रहा है। इसी तरह, पारगमन संधि के प्रोटोकॉल में अधिक

स्पष्टता और संशोधन का एजेंडा भी समावेश किए जाने की जानकारी प्रवक्ता ने दी है।

नेपाल अपने यहां से भारत में होने वाले वस्तुओं के निर्यात को सुविधाजनक बनाने, व्यापार घाटे को कम करने, गुणवत्ता परीक्षण की सुविधा और नेपाल में भारतीय निवेश बढ़ाने के एजेंडे को भी शामिल कर रहा है। प्रवक्ता बाबूराम अधिकारी ने कहा कि आईजीसी बैठक के लिए हमारे ज्यादातर एजेंडे पुराने हैं। उन्होंने कहा, व्यापार और पारगमन समझौतों और प्रोटोकॉल की समीक्षा करना हमारा नियमित एजेंडा है तथा निर्यात और निवेश भी प्रमुख एजेंडा है। भारतीय पक्ष का एजेंडा आदान प्रदान होने के बाद दोनों पक्षों में सहमति है पर अंतिम एजेंडा तय किया जाएगा।

निजी क्षेत्र की ओर से, नेपाल-भारत चैंबर ऑफ कॉमर्स (निक्की) ने भी अपने तरफ से आगामी आईजीसी बैठक में उठाए जाने वाले एजेंडे को लेकर अपना सुझाव दिया है। इस संस्था के अध्यक्ष सुनील के सी ने बताया कि सभी निजी क्षेत्रों के साथ परामर्श करने के बाद आए सुझावों को समेटते हुए मंत्रालय को अपनी मांगों को लेकर अवगत करा दिया है। उन्होंने कहा कि नेपाल भारत के बीच व्यापार सुविधा, लागत में कमी, समान व्यवहार, हरित व्यापार और अन्य व्यापार सहित परिवहन समझौतों पर जोर देने तथा मौजूदा मार्गों को बदलने, रेलवे को जोड़ने और निर्यात के लिए जलमार्गों का उपयोग करने का सुझाव दिया गया है।

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है.कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चित्तरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शामन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चितौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायूं को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नहीं आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कुंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है.

न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मै बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

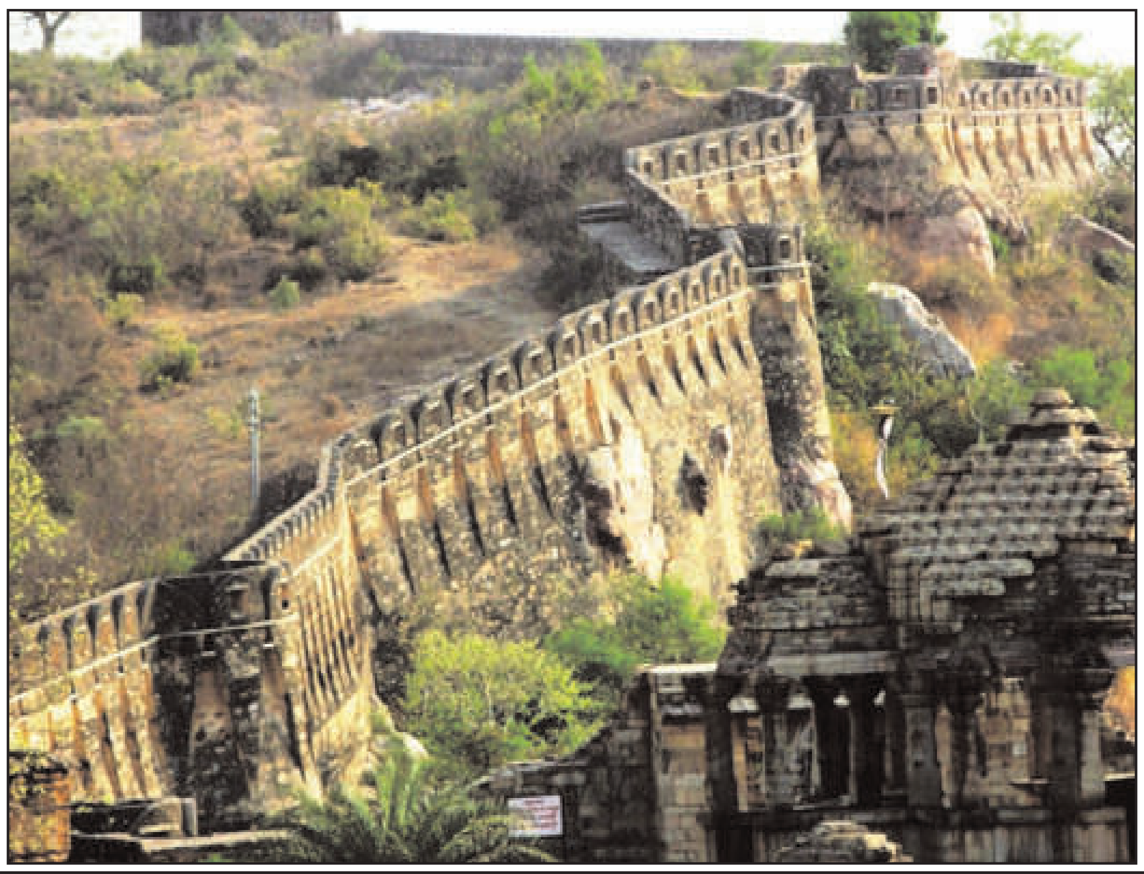

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया। पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

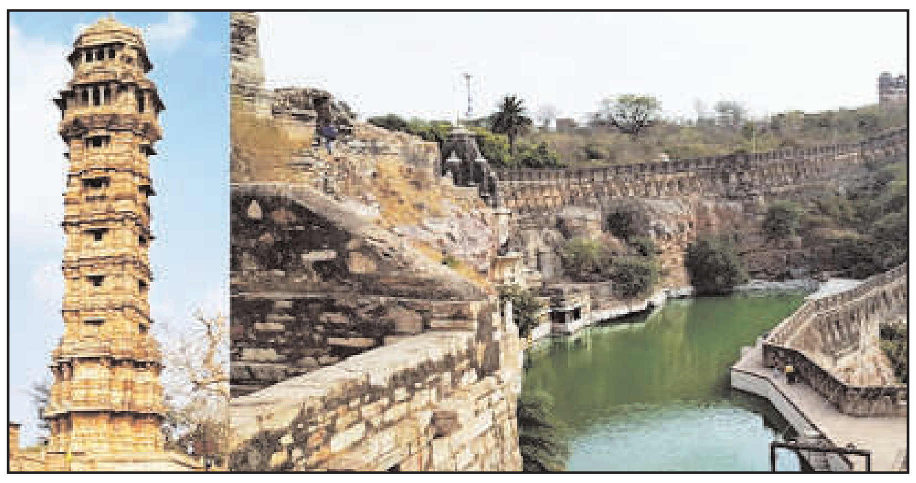

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चित्तोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नहीं अपितु विश्व भर में प्रसिद्व है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता हैउदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यो सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्भ में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे व प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुंभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चितौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमींन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चितौड़गढ़ किले के खम्बो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चितौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्व है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चितौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चितौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

संक्षिप्त समाचार

जसप्रीत बुमराह ने कपिल देव का रिकॉर्ड तोड़ा

ब्रिस्बेन। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में पांच विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। बुमराह इसी के साथ ही विदेशी हालातों में सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज बनकर उभरे हैं। बुमराह ने इसी के साथ ही महान ऑलराउंडर कपिल देव को भी पीछे छोड़ दिया। ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन बुमराह ने स्टीव स्मिथ और ट्रैविस हेड के विकेट लिए। दोनों को आउट करते हुए उन्होंने 25 ओवर में 2.90 की इकॉनमी रेट से 72 रन देकर पांच विकेट लिए। इस प्रकार एशिया के बाहर बुमराह ने 10 वीं बार 5 विकेट लिए हैं। इससे पहले कपिल के नाम एशिया के बाहर 9 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड था। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में तीन, दक्षिण अफ्रीका में तीन और वेस्टइंडीज तथा इंग्लैंड में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरी ओर, कपिल ने ऑस्ट्रेलिया में 5, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज में दो-दो बार 5 विकेट लिए हैं। बुमराह के सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में 8 पांच विकेट है, जिसने कपिल को एक बार फिर पीछे छोड़ दिया जिनके नाम इन देशों में 7 बार पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड था।

वालीबाल प्रतियोगिता : कोलकाता ने मुंबई को दी मात, चंडीगढ़ ने बेंगलुरू को हराया

लखनऊ। स्टेट बैंक अन्तर्मण्डलीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में कोलकाता ने मुंबई को (पार्थ दास मैन ऑफ द मैच) हरा दिया। वहीं चंडीगढ़ ने बेंगलुरु को (सुरेश कुमार मैन ऑफ द मैच), मुंबई मेट्रो ने हैदराबाद को (रवि प्रकाश दुबे- मैन ऑफ द मैच) को कड़े संघर्ष कर 2-1 से हराया, जबकि तिरुवनंतपुरम ने हैदराबाद को (अनिल कुमार चंद्रन- मैन ऑफ द मैच), जयपुर ने भुवनेश्वर को (अशोक कुमार- मैन ऑफ द मैच), अमरावती ने भोपाल को (के. यशवंत मैन ऑफ द मैच), गुवाहाटी ने लखनऊ को (सुरेश कुमार मीणा मैन ऑफ द मैच) तथा कोलकाता ने दिल्ली को (मनजीत सिंह मैन ऑफ द मैच) को 2-0 से हराया। एसबीआईएसए के मंडल महामंत्री दिनेश कुमार सिंह तथा अजय पांडे, मंडल अध्यक्ष ने सभी मैन ऑफ द मैच के सम्मानित खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर बैंक के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आशुतोष वर्मा व तारकेश्वर चौहान (डीजीएस द्वय), बृजेश तिवारी- एजीएस तथा अमित सिंह (को.) आदि ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

महिला प्रीमियर लीग नीलामी

सिमरन को गुजरात ने 1.90 करोड़ में खरीदा अनकैप्ड जी कमलिनी मुम्बई इंडियंस की हुई

बेंगलुरु ■ एजेंसी

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 के लिए बेंगलुरु में रविवार को खिलाड़ियों की नीलामी शुरू हो चुकी है। इस नीलामी में कुल 120 खिलाड़ियों पर बोली लग रही है।

पहली बोली वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर खिलाड़ी डिएंड्रा डॉटिन पर लगी। उन्हें गुजरात जायंट्स ने 1 करोड़ 70 लाख रुपये में खरीदा। उनका बेस प्राइस 50 लाख रुपये था। उन्हें खरीदने में गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स के बीच टक्कर देखने को मिली लेकिन अंत में गुजरात जायंट्स 1 करोड़ 70 लाख रुपये में खरीदने में कामयाब रही।

अनकैप्ड खिलाड़ी जी कमलिनी को मुम्बई ने खरीदा-

अनकैप्ड खिलाड़ी जी कमलिनी को मुंम्बई इंडियंस ने 1.6 करोड़ रुपये की बोली लगाकर खरीदा है। 16 वर्षीय खिलाड़ी को खरीदने में दिल्ली कैपिटल्स ने भी दिलचस्पी दिखाई लेकिन अंत में बाजी मुंबई ने मारी।

सिमरन शेख गईं गुजरात में

सिमरन शेख नीलामी में अभी तक खरीदी गईं खिलाड़ियों में सबसे महंगी खिलाड़ी हैं। उन्हें 1.9 करोड़ रुपये की बड़ी रकम देकर गुजरात जायंट्स ने अपनी टीम में शामिल किया है। सिमरन शेख को लेकर दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात जायंट्स में जंग देखने को मिली और बोली 1 करोड़ के पार पहुंच गई। इसके बाद भी बोली बढ़ती रही, लेकिन अंत में दिल्ली पीछे हट गई और 1.90 करोड़ में सिमरन को गुजरात जायंट्स ने ले लिया।

प्रेमा रावत को आरसीबी ने खरीदा

ऑलराउंडर प्रेमा रावत को रॉयल चैलेंडर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 1.20 करोड़ में खरीदा है। प्रेमा का बेस फाइस 10 लाख रुपये था। प्रेमा को खरीदने के लिए दिल्ली ने बोली की शुरुआत की लेकिन जल्द ही इसमें बेंगलुरु उतर गई और बोली 1 करोड़ के ऊपर पहुंच गई। आखिर में दिल्ली पीछे हट गई और बेंगलुरु ने 1.20 करोड़ में खरीद लिया।

विकास सिंह ने की धुआंधार बल्लेबाजी, नगर आयुक्त ने जीता मैच

लखनऊ। नगर निगम क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में नगर आयुक्त ने प्रेस को नौ विकेट से हरा दिया। इस मैच में विकास सिंह ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए छह चौकों की मदद से 19 बाल पर 38 रन बनाये। प्रेस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में सात विकेट गवांकर 92 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज अजय शर्मा ने 11 रन का योगदान दिया। वहीं वरूण यादव ने चार चौकों की मदद से 35 रन बनाये। वहीं अन्य कोई भी बल्लेबाज दहाई अंक तक नहीं पहुंच पाया।

खेल मंत्री सारंग ने दी मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों को बधाई

भोपाल ■ प्रतिनिधि

टिहरी उत्तराखंड में 10 से 13 दिसंबर 2024 तक आयोजित 35वीं राष्ट्रीय सीनियर कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप और नेशनल गेम्स क्वालिफायर में मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 01 स्वर्ण, 13 रजत और 12 कांस्य सहित 26 पदक अर्जित किये।

पदक तालिका

1- 1000 मीटर × 04 सिल्वर, 05 ब्रॉन्ज

2- 500 मीटर × 03 सिल्वर, 04 ब्रॉन्ज

3- 5000 मीटर × 01 गोल्ड, 03 सिल्वर, 02 ब्रॉन्ज

4- 200 मीटर × 03 सिल्वर, 01 ब्रॉन्ज

कुल पदक

01 गोल्ड,13 सिल्वर, 12 ब्रॉन्ज

मध्यप्रदेश की खेल संस्कृति को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का प्रतीक

मध्यप्रदेश वाटर स्पोर्ट्स अकादमी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर रनर-अप ट्रॉफी पर कब्जा किया। प्रशिक्षक कैप्टन पियूष कांती बरोई के नेतृत्व और मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने यह सफलता अर्जित की।

इस उपलब्धि पर खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षक को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन मध्यप्रदेश की खेल संस्कृति को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का प्रतीक है। भविष्य में भी खिलाड़ी अपने मध्यप्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

टीबी मुक्त भारत के लिए सांसदों का क्रिकेट मैच, लोकसभा अध्यक्ष एकादश ने राज्यसभा सभापति एकादश को हराया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

टीबी मुक्त भारत जागरूकता अभियान के तहत सांसदों ने मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच रविवार को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में खेला। बीस ओवर के इस मैच में लोकसभा अध्यक्ष एकादश टीम ने राज्यसभा सभापति एकादश टीम को 73 रन से हरा दिया। क्रिकेट मैच देखने के लिए मुख्य अतिथि के तौर पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल हुए।

इस मैत्री क्रिकेट मैच में लोकसभा अध्यक्ष एकादश टीम की कप्तानी अनुराग ठाकुर और राज्यसभा सभापति एकादश टीम की कमान किरेन रिज़िजू के हाथ में रही। लोकसभा अध्यक्ष एकादश टीम ने राज्यसभा सभापति एकादश टीम को 73 रन से हरा दिया। इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष एकादश के कप्तान और भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि भविष्य में विभिन्न राज्यों में ऐसे मैच आयोजित कराए जाएंगे। वहां सांसदों की टीम विधायकों के साथ भी खेलेगी ताकि हर जनप्रतिनिधि जागरूक हों और दूसरों को भी जागरूक करे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य

दिया है, जबकि वैश्विक लक्ष्य 2030 है। वर्ष 2015 से अब तक भारत में टीबी से होने वाली मौतों में 38 प्रतिशत की गिरावट आई है। नए मामलों में 18 फीसदी की गिरावट आई है। विश्व स्तर पर यह संख्या लगभग 8 प्रतिशत है। इसका मतलब यह है कि भारत बाकी दुनिया से बेहतर स्थिति में है। टीबी का इलाज है। सरकार मुफ़्त दवाएं उपलब्ध कराती है और इसके लिए एक हजार रुपये प्रदान करती है।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि फिटनेस के मंत्र के साथ लोगों में खेल के प्रति जोश भरने के लिए इस तरह का आयोजन किया गया है। इस आयोजन के पीछे हमारा मंत्र है टीबी मुक्त भारत और फिट इंडिया मूवमेंट। बिना फिटनेस के आप देश की सेवा नहीं कर सकते। आपको मानसिक और शारीरिक रूप से फिट रहना होगा।

लोकसभा अध्यक्ष एकादश-अनुराग सिंह ठाकुर (कप्तान), गुरमीत सिंह हायर, मनोज तिवारी, दीपेन्द्र सिंह हुड्डा, के राम मोहन नायडू, तेजस्वी सूर्या, राजीव प्रताप रुडी, चन्द्रशेखर रावण, लावु कृष्णा, दुष्यंत सिंह, अरुण गोविल, मुरलीधर मोहल, राजेश वर्मा, ओम प्रकाश राजे निंबालकर, देवेश शाक्य, पुष्पेंद्र सरोज, सागर ईश्वर खंडारे, निशिकांत दूबे और अप्पाला नायडू कालीसेट्टी शामिल रहे।

राज्यसभा सभापति एकादश-किरेन रिजिजू (कप्तान), कमलेश पासवान, मोहम्मद अज़हरुद्दीन, इमरान प्रतापगढ़ी, राघव चड्ढा, डेरेक ओ ब्रायन, नीरज डांगी, सीएम रमेश, सौमित्र ख़ान, के सुधाकर, अनिल कुमार यादव, विजय कुमार दुबे, सुरेंद्र सिंह नागर, नीरज शेखर, अशोक मित्तल, अमरपाल मौर्य, दुराई वाइको, तोखन साहू और रवि किशन शामिल रहे।

संक्षिप्त समाचार

अडानी ने 1 दिन में कमाए 2.43 अरब डॉलर, अंबानी की संपत्ति में 1.20 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज

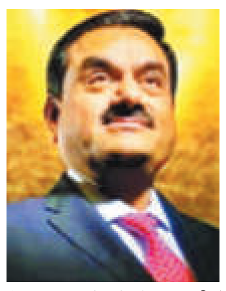

नई दिल्ली। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मालिक मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में अचल संपत्ति की मांग व उपायुक्तता के कारण बड़ा उछाल देखने को मिला। गौतम अडानी की दौलत एक ही दिन में 2.43 अरब डॉलर बढ़कर 81.8 अरब डॉलर तक पहुंची, जबकि मुकेश अंबानी की संपत्ति में 1.20 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज हुई और उनकी नेटवर्थ 95.9 अरब डॉलर रह गई। साथ ही दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क की नेटवर्थ में भी शुक्रवार को 4.77 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे उनकी दौलत 442 अरब डॉलर पर आ गई। मस्क की नेटवर्थ में यह गिरावट बात दिल दहला देने वाली है, हालांकि इस साल अब तक उनकी संपत्ति 213 अरब डॉलर बढ़ी है। यह तेजी और गिरावट नेटवर्थ की मुद्रा में अवधि के दौरान हुई तरंगों के प्रभाव का परिणाम है। इस विपरीतता के बावजूद, गौतम अडानी और एलन मस्क के संपत्ति नमि में दृढ़ता का सामर्थ दिखा रहे हैं, जो दुनिया भर में चर्चा के केंद्र में है। इस समाचार से वित्तीय बाजार में तरंग गैर स्थिरता का सिग्नल प्राप्त हो रहा है, जिसका असर निवेशकों और वित्तीय विश्लेषकों पर हो सकता है।

पीआईए एरलाइंस के 34 में से 17 प्लेन बंद, कलपुर्जों व अन्य उपकरणों की कमी मुख्य वजह

नई दिल्ली। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने अपने 34 विमानों में से 17 विमानों की उड़ानें बंद कर दी हैं जिसका कारण आवश्यक कलपुर्जों और अन्य उपकरणों की कमी है। एयरलाइन के सूत्रों के मुताबिक इन विमानों में इंजन, लैंडिंग गियर, एपीयू और अन्य महत्वपूर्ण भागों की कमी है।

सूत्रों ने बताया कि धन की कमी और उचित मंजूरी की अभाव ने इस स्थिति का मुख्य कारण बनाया है। यह स्थिति एयरलाइन की कार्यक्षमता को प्रभावित कर रही है, जिसने पिछले चार वर्षों में प्रतिबंध के बाद यूरोप के लिए उड़ानें पुन: शुरू करने की योजना बनाई है।

इस कारण उड़ानें विलंबित हो सकती हैं, जिससे संभावित यूरोप की सेवाओं की नियोजित बहाली में भी देरी हो सकती है। सरकार द्वारा किए गए एयरलाइंस के निजीकरण के असफल प्रयास ने भी इस स्थिति को और अधिक गहरा बनाया है। नजरअंदाज की गई 60 प्रतिशत की शेयर बेचने की कोशिशों के बाद, सिर्फ 10 अरब पाकिस्तानी रुपये की बोली ही मिली थी, जो मूल्य से काफी कम थी। नए सिरे से बोली लगाने का फैसला किया गया है, जिससे आगे की कदम बढ़ने की उम्मीद है।

साप्ताहिक समीक्षा : विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बाजारों से 226.70 करोड़ रुपये की बिकवाली की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मिले-जुले ग्लोबल संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार लगातार चौथे हफ्ते साप्ताहिक आधार पर बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। पिछले सप्ताह में 5 दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 623.07 अंक यानी 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 82,133.12 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी भी साप्ताहिक आधार पर 90.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,768.30 अंक के स्तर बंद हुआ।

पिछले सप्ताह सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजारों से 226.70 करोड़ रुपये की बिकवाली की। खरीद बिक्री मिलाकर विदेशी संस्थागत निवेशक दिसंबर के महीने में अभी तक कुल 11,706.89 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान घरेलू शेयर बाजार में 2,880.02 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस सप्ताह की खरीदारी को मिलाकर दिसंबर के महीने में घरेलू संस्थागत निवेशक कुल 4,672.49 करोड़ रुपये की लिवाली कर चुके हैं।

9 दिसंबर से 13 दिसंबर के बीच कारोबार के दौरान लार्जकैप इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल एलटी माइंडट्री, जिंदल स्टील एंड पावर, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट, विप्रो और एचडीएफसी ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी के शेयर लार्जकैप इंडेक्स के टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन आफ इंडिया, जोमैटो, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, आईडीबीआई बैंक, डिवीज लेबोरेट्रीज, इंडस टावर्स और एवेन्यू सुपरमार्ट्स लार्जकैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

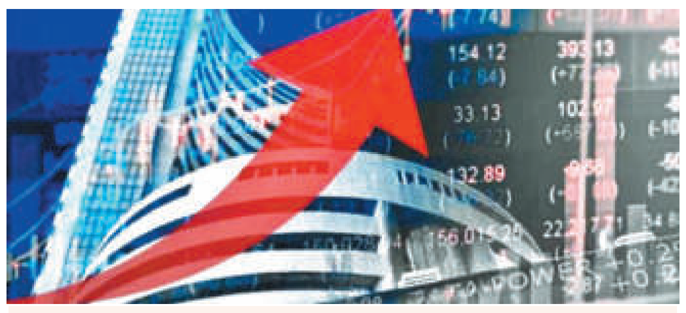

टॉप 10 में शामिल पांच कंपनियों का मार्केट कैप 1.13 लाख करोड़ बढ़ा, भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा फायदा

घरेलू शेयर बाजार में सोमवार से शुक्रवार के कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से पांच कपनियों के मार्केट कैप में कुल 1,13,117.17 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। इस दौरान भारती एयरटेल के मार्केट कैप में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई। वहीं टॉप 10 की शेष पांच कंपनियों के मार्केट कैप में कुल मिला कर 1,09,779.19 करोड़ रुपये की कमी हो गई। टॉप 10 में शामिल कंपनियों के मार्केट कैप की यह स्थिति तब हुई, जब पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान बीएसई का सेंसेक्स 623.07 अंक यानी 0.76 प्रतिशत और एनएसई का निफ्टी 90.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत मजबूत हो गया।

बीएसई का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल डेल्हीवेरी, क्लीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी, क्रिसिल, मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट, निप्पोन लाइफ इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट और मुथूट फाइनेंस के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर इमामी, जी इंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, बायोकॉन, गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस, यूको बैंक, सन टीवी नेटवर्क, सोना बीएलडब्लू प्रेसीजन फोर्जिंग्स, कंसल नैरोलैक पेंट्स और कैस्ट्रॉल इंडिया के शेयर इस इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

लार्जकैप और मिडकैप इंडेक्स के विपरीत स्मॉल कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल सेंटम इलेक्ट्रॉनिक्स, सनफ्लैग आयरन एंड स्टील कंपनी, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, ग्रीव्स कॉटन, कीटेक्स गारमेंट्स, गुजरात इंडस्ट्रीज पावर, इंडो काउंट इंडस्ट्रीज, वैरोक इंजीनियरिंग, विधि स्पेशलिटी फूड इनग्रेडिएंट्स, कैंटेबिल रिटेल इंडिया और परमानेंट मैग्नेट्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर अबांस होल्डिंग्स, इकेआई एनर्जी सर्विसेज, न्यूलैंड लेबोरेट्रीज, सफायर फूड्स इंडिया, जना स्मॉल फाइनेंस बैंक, और गोपाल स्नैक्स के शेयर इस इंडेक्स के टॉप लूजर्स में शामिल हुए।

इस सप्ताह के कारोबार के आधार पर सेक्टोरल फ्रंट का प्रदर्शन देखें तो बीएसई का आईटी इंडेक्स 2.6 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह टेलीकॉम इंडेक्स 1.70 प्रतिशत और रियल्टी इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एनर्जी और एफएमसीजी इंडेक्स 1.5 2 प्रतिशत लुढ़क गए, जबकि ऑयल एंड गैस इंडेक्स में एक प्रतिशत की गिरावट आ गई।

सेबी का एल्गो ट्रेडिंग प्रस्ताव- रिटेल निवेशकों के लिए बढ़िया विकल्प

नई दिल्ली। सुरक्षित, सही और पारदर्शी निवेश की दिशा में भारतीय बाजार नियामक सेबी ने एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया है। इस प्रस्ताव के अनुसार रिटेल निवेशकों के लिए भी एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग (एल्गो ट्रेडिंग) की सुविधा उपलब्ध होगी। यह विशेष सुविधा अब न केवल संस्थागत निवेशकों के लिए होगी, बल्कि रिटेल निवेशकों को भी इसका लाभ मिलेगा। एल्गो ट्रेडिंग का उपयोग करके रिटेल निवेशक तेजी से शेयरों की खरीद-फरोख्त कर सकेंगे और इसके माध्यम से लेन-देन प्रक्रिया को सुचारू और पारदर्शी बनाया जा सकेगा। इस प्रस्ताव से बाजार में लिक्विडिटी बढ़ेगी और निवेशकों को नए और बेहतर विकल्पों के साथ निवेश किए जाने का मौका मिलेगा। सेबी की धारा से रिटेल निवेशकों के लिए एल्गो ट्रेडिंग की सुविधा में सुरक्षा और उचित नियमों का पूर्ण ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए ब्रोकरों को स्टॉक एक्सचेंज से पहले अनुमति लेनी होगी और हर लेन-देन को यूनिक आईडेंटिफायर से टैग करके निगरानी में रखा जाएगा। इस प्रस्ताव के माध्यम से रिटेल निवेशकों के निवेश अनुभव को मजबूत किया जा रहा है और उनके लिए पारदर्शी और सुरक्षित निवेश के विकल्प उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही यह प्रस्ताव रिटेल निवेशकों को बाजार में अधिक भागीदारी लेने के लिए प्रेरित कर रहा है। इस सुरक्षित, उपयोगकर्ता-मित्र एल्गो ट्रेडिंग सुविधा के आने से अब रिटेल निवेशक भी बाजार में सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे और उनके निवेश के लिए नए दिशानिर्देश मिलेंगे।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे आया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर में नीचे गिरकर जून, 2022 के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है, जो एक यूरोपीय शोध संस्थान की मासिक रिपोर्ट से प्रकट हुआ है। इससे पहले, रूस भारत के लिए कच्चे तेल का मुख्य स्रोत था, परंतु फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हुए हमले के बाद, अब भी रूस से कच्चे तेल के आयात में महत्वपूर्ण गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट मुख्य रूप से इसलिए हुई है क्योंकि रूस में कच्चे तेल उपलब्धता में छूट मिली थी, और यूरोपीय देशों ने भी रूस से कच्चे तेल की खरीद से बचाव किया। इसलिए रूसी कच्चे तेल की कीमत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध अन्य विकल्पों से कम थी।

एक रिपोर्ट के अनुसार नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है, जो जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। हालांकि, रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। रूस के आयात से अधिकतम जीवाश्म ईंधनों में से, भारत नवंबर में रूसी जीवाश्म ईंधन के तीसरे सबसे बड़े खरीदार बन गया है। रूसी कच्चे तेल के साथ-साथ, भारत ने रूस से कम कोयला भी आयात किया है, जिसकी मात्रा हालात पर आधारित है। इस पूरे विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर और ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि भारत के ऊर्जा संगठन सुनिश्चित कर सकें कि देश की ऊर्जा खाप्रवृत्तिकी में विश्वस्त स्थिति बनाए रखने हेतु कोई और वैकल्पिक स्रोत हो।

इस सप्ताह चार कंपनियों के आईपीओ खुलेंगे, 12 शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सोमवार से शुरू हो रहे नए कारोबारी सप्ताह में चार कंपनियां अपने आईपीओ के जरिए प्राइमरी मार्केट में दस्तक देने वाली हैं। इनमें से दो कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की हैं, जबकि दो कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह 12 और 13 दिसंबर को लॉन्च हुए चार आईपीओ में भी निवेशक इस सप्ताह 16 और 17 दिसंबर तक बोली लगा सकेंगे।

इस सप्ताह 12 कंपनियों के शेयर भी स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो सकते हैं। सप्ताह के दूसरे कारोबार दिन 17 दिसंबर को एनएसीडीएसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड का 10.01 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाला है। इस आईपीओ में 19 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 33 से 35 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 4,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 24 दिसंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

सप्ताह के तीसरे कारोबार के दिन 18 दिसंबर को आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियो का 19.95 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 20 दिसंबर को होगी?। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 51 से 54 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 2,000 शेयर का है। कंपनी के शेयर 26 दिसंबर को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। सप्ताह के चौथे कारोबार के दिन 19 दिसंबर को ममता मशीनरी लिमिटेड का 179.39 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होगा। इस आईपीओ की क्लोजिंग 23 दिसंबर को होगी?। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 230 से 243 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 61 शेयर का है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

इसी दिन ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। ये आईपीओ 23 दिसंबर को बंद होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए अभी प्राइस बैंड और लॉट साइज तय नहीं किया गया है। कंपनी के शेयर 27 दिसंबर को ही बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे। इस सप्ताह इन चार आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह 12 दिसंबर को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले यश हाई वोल्टेज लिमिटेड और एनवेंचरस नॉलेज सॉल्यूशंस के आईपीओ में 16 दिसंबर तक बोली लगाई जा सकेगी।

भोपाल में बजा मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा का चुनावी बिगुल

तीन सदस्यों ने भरा अध्यक्ष पद के लिए नामांकन, कैलाश मित्तल अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा पूरे प्रदेश में अग्रवाल समाज की एक बड़ी संस्था मानी जाती है, जिसमें लगभग 10 हजार सक्रिय सदस्य शामिल है, जो हमेशा अग्रवाल समाज के कार्य के लिए अग्रसर रहते हैं। अब देखा जाए तो मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा में अध्यक्ष पद के लिए चुनावी समय आ चुका है, जिसकी तैयारियां भोपाल में जोर-जोर से चल रही हैं,क्योंकि 5 जनवरी को अध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न होने जा रहे हैं।इसी क्रम में रविवार को अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र जमा किए गए, जिसमें तीन सदस्यों ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन जमा किया। इसमें प्रमुख रूप से कैलाश मित्तल मप्र अग्रवाल महासभा के एक बड़े सदस्य समूह को लेकर नामांकन दाखिल करने पहुंचे।

नामांकन दाखिल करने के दौरान सभी ने जय अग्रसेन और जय लक्ष्मी माता के नारे लगाए। वही नामांकन भरने के पूर्व कैलाश मित्तल ने सभी अग्रजनों से कहा कि यह अध्यक्ष पद तो सिर्फ नाम के लिए है लेकिन अग्रवाल महासभा का प्रत्येक सदस्य स्वयं ही अध्यक्ष बनकर कार्य करेगा, वही किसी भी अग्रजनों को जब भी मेरी जरूरत किसी भी समय लगती है तो मैं हमेशा उपस्थित रहूंगा और हर संभव प्रयास करूंगा कि मैं उसकी मदद कर सकूं।

अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे कैलाश मित्तल : हालांकि देखा जा रहा है कि कैलाश मित्तल अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे बने हुए हैं, क्योंकि उन्हें अग्रवाल समाज का हर जगह से समर्थन मिल रहा है। वहीं अधिकतर सदस्य भी चाहते हैं कि कैलाश मित्तल ही मध्यप्रदेश अग्रवाल महासभा के नए अध्यक्ष बने।

बड़ी संख्या में अग्रजनों ने बढ़ाया हौंसला : नामांकन के दौरान कैलाश मित्तल के साथ मुकेश गोयल,सुनील गर्ग,शरद अग्रवाल,सुनील मंगल, महावीर मामा,डॉ अशोक गर्ग, मांगीलाल अग्रवाल, सौरभ गुप्ता, विशाल गोयल, मनोज अग्रवाल, डॉ अंकुर अग्रवाल,रोहित अग्रवाल,आशीष गुप्ता,विनीत अग्रवाल, राहुल अग्रवाल,अमित मित्तल,महिला महासभा अध्यक्ष रश्मि अग्रवाल,आभा अग्रवाल,मंजू गर्ग,तृप्ति अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अग्रजनों की उपस्थिति रही।

नर्मदापुरम की हलचल

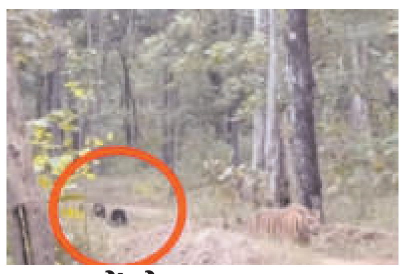

भालुओं से डर गया टाइगर भागने लगा

नर्मदापुरम। जंगल का राजा टाइगर है, लेकिन शनिवार को एक ऐसा नजारा सामने आया, जिसमें भालुओं को देखकर टाइगर के कदम पीछे हो गए और वह भागने लगा। सबसे ताकतवर वन्य प्राणी के इस रोमांचित नजारे को में कमरे में कैद किया गया है। जी हां हम बात कर रहे हैं जंगल के टाइगर की। शनिवार को इवनिंग सफारी के दौरान पर्यटकों को अचंभित कर देने वाला मूवमेंट देखने को मिला। मुंबई, उज्जैन, खरगोन, इंदौर और भोपाल से आए पर्यटक आशीष रानाडे, हितेश गुप्ता, लखन तन्ना, राहुल रघुवंशी, राहुल महाजन जब मड़ई की सैर कर रहे थे, तब उन्होंने इस नजारे को कमरे में कैद किया। दृश्य कुछ यह था कि टूरिस्ट की जिप्सी के आगे-आगे एक टाइगर राजशाही अंदाज में चल रहा था। अचानक थोड़ी ही दूर पर उसे भालुओं का झुंड दिखाई दिया। जिसे देखकर टाइगर कुछ पल के लिए रुक गया और भालुओं को एक टक देखते रहा। इसी बीच उसने अपना रास्ता ही बदल लिया। जैसे ही भालू उसके पीछे-पीछे आने लगे तो टाइगर सड़क से नीचे उतरकर झाड़ियां में चला गया। सेल्फ डिफेंस के लिए आगे बढ़ाने की बजाय टाइगर ने अपने कदम ही पीछे खींच लिए।

अंतर क्षेत्रीय खेल स्पर्धा के लिए नर्मदापुरम से 88 खिलाड़ियों का दल जबलपुर रवाना

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश सिंचाई जल संसाधन विभाग स्पोर्ट्स क्लब द्वारा जबलपुर में 16 दिसंबर से 21 दिसम्बर तक 33 बी अंतर क्षेत्रीय राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगता रानी ताल खेल परिसर आयोजित हो रही है। क्षेत्रीय स्पोर्ट्स क्लब नर्मदापुरम के अध्यक्ष बशारत खान के नेतृत्व में 88 खिलाड़ियों का दल जबलपुर के लिए रवाना हुआ है। खान ने बताया हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा तवानगर नर्मदापुरम को मिलाकर टीम बनाई गई है। प्रतियोगिता में क्रिकेट, कबड्डी,फुटबॉल, वॉलीबॉल, शूटिंग बॉल, शतरंज,लॉन टेनिस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, केरम सहित 100 एवं 200 मीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी। महिलाओं एवं दिव्यागो के भी खेल होंगे। क्लब के संरक्षक मुख्य अभियंता राजाराम मीणा, अंकित शराफ़, प्रतिभा सिंह, राजश्री कटारे, विपिन बामनकर, डीके सिंह, प्रभारी महेंद्र उगले सचिव हेमंत अजनेरिया,मेघा बंसल, एन के सूर्यवंशी, केआर भूमरकर, विनय पांडे, विजय मसाने ने विजेता होने के लिए शुभकामनाएं दी।
उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता अनिल सिंह जबलपुर, विशिष्ट अतिथि मुख्य अभियंता डीएल वर्मा, विशेष अतिथि मुख्य अभियंता एके डेहरिया, नोडल अधिकारी सुधीर सक्सेना,अध्यक्षता क्लब के प्रांतीय अध्यक्ष मनीष मांडलिक करेंगे।

श्यामपुर जलसम्मेलन में 2.5 हजार करोड़ की मिली सौगात

सीहोर जिले के 70 गांवों को पार्वती कालीसिंध लिंक परियोजना से मिलेगा लाभ

सीहोर ■ निसं

सीहोर जिले की श्यामपुर तहसील के कृषि उपज मंडी प्रांगण में रविवार को जल सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें सीहोर विधानसभा विधायक सुदेश राय ने संबोधित करते हुए बताया कि भाजपा की सरकार में माननीय प्रधानमंत्री ,मुख्यमंत्री का हम बहुत आभार व्यक्त करते हैं जो सीहोर जिले को 2.5 हजार करोड़ की सौगात दी।

इसके अंतर्गत जिले को नर्मदा पार्वती कालीसिंध लिंक परियोजना से जोड़ा जिससे क्षेत्र की हजारों हैक्टेयर भूमि सिंचित होगी। किसानों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। व्यापार में बढ़ोतरी होगी और रोजगार के अवसर मिलेंगे, जिससे सीहोर जिले का विकास होगा। साथ ही विधायक ने श्यामपुर ब्रिज के साइड बनी रोड की खराब हालत पर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि आप सड़क निर्माण कंपनी से बात कर पक्की सड़क निर्माण कराएं, नहीं तो हम टोल टैक्स बंद करा देंगे। ग्राम पंचायत सचिव पटवारियों को पंचायत की स्वच्छता के लिए ग्रामीणों के साथ मिलकर अभियान चलाने के निर्देश दिए। श्यामपुर सायलो केंद्र के पास पड़ी सरकारी जमीन को हमारे स्कूल कॉलेज अस्पताल खेल मैदान की आवश्यकता हेतु चिन्हित किया जाए। इस अवसर पर ग्रामीण, भाजपा कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे।

गेहूं और चने की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हिरण

किसान दिन-रात खेतों की रखवाली करने को मजबूर, कहा- इस साल हिरण की संख्या ज्यादा

सीहोर के कई इलाकों में हिरणों के झुंड गेहूं और चने की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। हिरणों से फसलों को बचाने के लिए किसान दिन-रात अपनी खेतों की रखवाली कर रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक रबी सीजन की प्रमुख फसल गेहूं और चने की फसलें धीरे-धीरे खेतों में उगने लगी हैं। एक और जहां शीतलहर के कारण फसलों पर इसकी परतें जम रही हैं। वहीं, दूसरी ओर हिरणों के झुंड फसल चरने में लगे हुए हैं।

सीहोर जिले के जमुनिया, रायपुरा, मोहली, दुपड़िया डांगी सहित कई गांवों में इन दिनों हिरणों के झुंड लगातार गेहूं और चने की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में फसलों पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। बताया जाता है कि सुबह-शाम हिरणों का झुंड अचानक खेतों में घुस जाते है और लगातार गेहूं और चने की फसल को नुकसान पहुंचा रहे है।

किसान घनश्याम यादव ने बताया कि इस साल हिरण की संख्या कुछ ज्यादा नजर आ रही है। हिरण ?????हेहूं और चने को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाया जा रहा है। किसी भी प्रकार के ध्वनि कर दिए जाने के कारण हिरण के झुंड भाग जाते हैं, लेकिन थोड़ी देर बाद फिर खेतों में घुस जाते हैं।

समाज में सकारात्मक नेतृत्व विकसित करना जन अभियान परिषद का उद्देश्य -मोहन नागर

रायसेन ■ अमृत दर्शन

औबेदुल्लागंज विकासखंड में मप्र जन अभियान परिषद के माध्यम से वीर सावरकर महाविद्यालय में चलाए जा रहे मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व विकास पाठयक्रम की बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू पाठयक्रम की कक्षा का जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष श्री मोहन नागर ने निरीक्षण कर विद्यार्थियों के साथ संवाद किया।श्री नागर ने कहा- कि आप इस कोर्स के सिर्फ विद्यार्थी नहीं है ,आप गांव-गांव में समाज विकास के लिए निरंतर एवं आनेवाले संकट से बचाने के लिए हमेंशा तत्पर रहने वाले स्थायी नेतृत्वकर्ता है। विद्यार्थी प्रकृति को बचाने के विभिन्न आयामों एवं समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए समुदाय के बीच जाकर कार्य करें। जल संरक्षण , जैविक खेती,पर्यावरण संरक्षण जैसे विषयों पर कार्य करने की आवश्यकता है। विद्यार्थी इस दिशा में आगे बढ़कर समुदाय को जोड़ें एवं आधुनिक विज्ञान के साथ मिलकर समाज के विकासात्मक बदलाव के लिए कार्य करें। संवाद के दौरान सीएमसीएलडीपी छात्र-छात्राओं एवं नवांकुर संस्थाओं द्वारा भी अपने कार्य का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

संवाद कार्यक्रम के पश्चात महाविद्यालय परिसर में त्रिवेणी के पौधों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर संभाग समन्वयक भोपाल श्री वरूण आचार्य,जिला समन्वयक रायसेन श्री कल्याण सिंह राजपूत,ब्लाक समन्वयक निशा बहेकार, परामर्शदाता,नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि एवं छात्र छात्राएं उपस्थिति थे।

पुलिस ने यातायात, साइबर और नशे के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह के मार्गदर्शन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्रा के नेतृत्व मे चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत यातायात, साइबर और नशे के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिस के अंतर्गत यातायात पुलिस द्वारा बस स्टैंड और टैक्सी स्टैंड पर चालकों को प्रशिक्षण दिया गया। दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिये लगभग 150 ट्रैक्टर ट्रालियों में आगे और पीछे रेडियम पट्टी लगाई गई ।

यातायात पुलिस द्वारा उच्च न्यायालय के आदेश पालन में बिना हेलमेट वाले और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही की गई ।यातायात के उनि दिनेश मिश्रा द्वारा थाना देहात के पास और उनि उईके द्वारा अधिकारियों के निर्देशन में कार्यवाही की गई। चालानी कार्यवाही के दौरान कुल 217 वाहनों में कमियां पाए जाने पर चालानी कार्यवाही की गई और कुल 69100 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। यातायात पुलिस ने बताया कि जागरूकता अभियान में लोगों को नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

रायसेन में कलेक्टर ने 6 बीएलओ को किया निलंबित

एक को कारण बताओ नोटिस, मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई

रायसेन ■ अमृत दर्शन

रायसेन में मतदाता सूची में नए मतदाताओं के नाम जोड़ने के कार्य में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद दुबे ने 6 बीएलओ को निलंबित कर दिया है। साथ ही एक बीएलओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

दरअसल, भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी फोटोयुक्त निर्वाचक नामावली के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 18 साल पूरे कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल करने का निर्देश

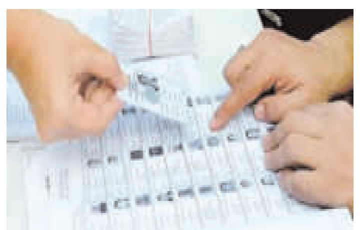

मिला था। जिस काम में पांच बीएलओ ने लापरवाही बरती है।

इन बीएलओ को किया गया निलंबित: कलेक्टर दुबे ने जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 141-भोजपुर के बीएलओ भानसिंह, अखिलेश धावरी, संदीप नागर, शिवदयाल कुशवाह, मनमोहन सिंह धुर्वे और मनोज सेन को नवीन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने के कार्य में लापरवाही बरतने पर निलंबित किया गया है। साथ ही मतीनउल्ला खान नगरपालिका मंडीदीप मतदान केन्द्र क्रमांक 81-सिमराई को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी दुबे ने जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्वाचक नामावली में नवीन मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए लक्ष्य की पूर्ति किए जाने के भी निर्देशित किया है।

ट्रेनों यात्रियों के सामान चुराने वाले आरोपी को किया गया गिरफ्तार

इटारसी/नर्मदापुरम। ट्रेन में यात्रियो की चोरी करने वाले आरोपी को जीआरपी इटारसी पुलिस में गिरफ्तार किया है। बुरहानपुर जिले के निवासी आरोपी से एक सोने की चैन एवं 5 मोबाइल कुल कीमती 2 लाख 60 हजार रुपये के जप्त हुए। आरोपी इरफान पिता हमीद खान उम्र 20 साल निवासी केरपानी थाना नेपानगर जिला बुरहानपुर रात में घटनाओं को अंजाम देता था। सोते हुए यात्रियों से सामान चुराता था। वह बुरहानपुर से इटारसी आते-जाते समय घटना को अंजाम देता था। जीआरपी पुलिस इटारसी द्वारा चेकिंग गश्त एवं सीसीटीवी के माध्यम से सतर्कता पूर्वक निगरानी की जा रही थी।

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की ठंड से बचाव के लिए एडवाइजरी

रायसेन में रात का तापमान 3.8 डिग्री दर्ज, सब्जी के बगीचों में जमी बर्फ

रायसेन ■ अमृत दर्शन

रायसेन में गुरुवार सुबह सब्जी के बगीचों में धनिया मिर्च और प्याज की फसल पर बर्फ जम गई। बीते एक सप्ताह से रात का न्यूनतम तापमान 5 से 3 डिग्री पर बना हुआ है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान 22 से 23 डिग्री पर चल रहा है। शीत लहर चलने से कंपकपा देने वाली सर्दी से लोग बेहाल है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग ने ठंड से बचाव के लिए एडवाइजरी भी जारी कर दी है।

शीतलहर के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और घर के अंदर ही रहें। ठंड में लंबे समय तक बाहर न रहें।

बंद कमरों में अंगीठी कोयले का उपयोग न करें

कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता का खतरा बंद कमरों में अंगीठी या फायर पॉट का उपयोग करने से होता है, जिससे जान का खतरा बढ़ सकता है। इसलिए बंद कमरों में अंगीठी फायर पॉट का प्रयोग न करें। फ्रॉस्टबाइट के दौरान त्वचा सफेद या फीकी पड़ सकती है। कंपकंपी, मांसपेशियों में अकड़न, बोलने में कठिनाई, अधिक नींद आना, सांस लेने में कठिनाई और बेहोशी जैसे लक्षण दिख सकते हैं। यह एक मेडिकल इमरजेंसी है और इसके लिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

रायसेन में भाजपा सरकार की उपलब्धियों को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन

सरकार का मूल उद्देश्य: गरीब, महिलाएं, किसान और युवा बने आत्मनिर्भर- चतुर्वेदी

रायसेन ■ अमृत दर्शन

भाजपा जिला कार्यालय में मध्य प्रदेश सरकार के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने सरकार की उपलब्धियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि प्रदेश का हर नागरिक-चाहे वह गरीब हो, महिला हो, युवा हो या किसान-आत्मनिर्भर और आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सके।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में लाड़ली बहना योजना के तहत अब तक 1 करोड़ 29 लाख बहनों के खातों में 19,212 करोड़ रुपए से अधिक की राशि स्थानांतरित की गई है। महिला सशक्तिकरण के लिए राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35ल आरक्षण दिया गया है, जो महिला अधिकारिता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। किसानों की बेहतरी के लिए सौर ऊर्जा पंप योजना की घोषणा की गई है, जिससे 1 लाख 25 हजार किसान लाभान्वित होंगे। अगले चार वर्षों में प्रदेश के किसानों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा, जिससे उनकी बिजली की जरूरतों में आत्मनिर्भरता आएगी। शहरी गरीबों और मध्यम वर्ग के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के अंतर्गत उन परिवारों को आवास दिए जाएंगे, जो पहले चरण में इस योजना का लाभ नहीं उठा सके थे। यह योजना शहरी गरीब और मध्यम वर्ग के लिए एक वरदान साबित होगी। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश सिंह चतुर्वेदी ने कहा, हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश का हर व्यक्ति सम्मान और आत्मनिर्भरता के साथ जीवन जी सके। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की दूरदृष्टि से प्रदेश में जन-कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं, जो नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का काम कर रही हैं।

प्रदेश की जनता के लिए योजनाओं का रोडमैप तैयार: भाजपा की डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने एक साल के कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे प्रदेश के विकास और नागरिकों के उत्थान की दिशा में एक ठोस कदम हैं। सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि हर वर्ग को योजनाओं का लाभ मिले और कोई भी जरूरतमंद पीछे न छूटे।

मीडिया के सवालों का जवाब

प्रेस वार्ता में श्री चतुर्वेदी ने इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों के सवालों का भी जवाब दिया और सरकार की नीतियों पर चर्चा की। इस प्रेस वार्ता में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राकेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी हरि साहू, मीडिया विभाग से सी एल गौर, रोहित कार्यालय मंत्री जीतू ठाकुर, मंडल अध्यक्ष आदित्य शर्मा, और बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के पत्रकार बंधु मौजूद रहे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। : संपादक- डी.पी.गोयल । मो.9827054436, 9826735596. भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा ।)।